जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू
राष्ट्रदूत
कोटा
Rashtradoot
कोटा, सोमवार 21 अक्टूबर, 2024
epaper.rashtradoot.com

विचार बिन्दु

सत्य से कीर्ति प्राप्त की जाती है और सहयोग से मित्र बनाए जाते हैं। –कौटिल्य अर्थशास्त्र

जब भी भूख से लड़ने कोई खड़ा हो जाता है, सुंदर दीखने लग जाता है!

जैसे-जैसे साल का यह समय नज़दीक आता है, मेरा दिल ज़ोर-ज़ोर से धड़कने लगता है। कुछ-कुछ वैसी ही हालत होती है जैसी परीक्षा परिणाम आने के ठीक पहले हुआ करती थी। इस साम्य से यह बात भी याद आ रही है कि परीक्षा देने के बाद हम घर पर बड़े गर्व से बताया करते थे कि हमने खूब पढ़ाई की है और पर्चे बहुत अच्छे हुए हैं, इसलिए इस बार तो हमारा क्लास को टॉप करना पक्का है। लेकिन जब परीक्षा परिणाम आता तो हमारे सारे दावे फ़ुस्स हो जाते। इसके बाद शुरू होता परीक्षकों को कोसने का सिलसिला। आजकल मास्टर लोग कॉपियां ढंग से जांचते ही कहां हैं? बहुत सम्भव है कि जिस दिन वे हमारी कॉपी जांच रहे थे उस दिन उनकी अपने घर वालों से लड़ाई हो गई हो और सारा ग़ुसा हम पर निकाल दिया हो।। और ऐसी ही अनेक बातें। लेकिन ये बातें अब क्यों कर रहा हूं?

हाल में कंसर्न वर्ल्डवाइड, जर्मनी की एक सहायता एजेंसी वेल्ट हंगर हिल्फ और यूरोप के अग्रणी अकादमिक संस्थान इंस्टीट्यूट फॉर इण्टरनेशनल लॉ ऑफ पीस एण्ड आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट (IFHV) द्वारा एक सुविचारित प्रक्रिया के तहत तैयार की गई वैश्विक भूख सूचकांक रिपोर्ट (ग्लोबल हंगर इंडेक्स-जीएचआई) में जब यह बताया गया कि कुल 127 देशों की सूची में भारत का स्थान 105वां है, तो उपरोक्त प्रसंग अनायास याद आ गया। जब भी ऐसा कोई सर्वेक्षण या शोध या अध्ययन होता है और उसमें हमारा देश पिछड़ा हुआ पाया जाता है, हमारी सरकार या उसके समर्थक वह अध्ययन करने वालों की मंशा पर संदेह व्यक्त करते हुए उस अध्ययन को नकारते हैं। अगर सरकारी वक्तव्यों को एक साथ देखें तो लगता है जैसे सारी दुनिया हमारे विरुद्ध षड़यंत्र करने और हमें नीचा दिखाने में जुटी हुई है। हां, जब किसी सर्वेक्षण में या अन्यथा भी हमारी वाहवाही होती है तो हम ऐसा करने वालों की सराहना करते नहीं थकते हैं। मुझे यह बात भी बहुत रोचक लगती है कि हमारी सरकार के समर्थक यह कहते नहीं थकते हैं उनके नेता के नेतृत्व में पूरी दुनिया में देश का डंका बज रहा है, लेकिन वे यह नहीं बताते हैं कि उसी पूरी दुनिया से हमारी छवि को धूमिल करने वाली ऐसी रिपोर्ट्स क्यों और कैसे आती हैं? वैसे यह मानव स्वभाव ही है जिसे हमारे लोक में मीठा-मीठा गप्प और कड़वा-कड़वा थू कहा जाता है।

ग्लोबल हंगर इंडेक्स सन् 2006 से नियमित रूप से ज़ारी होता है और अपने 19वें साल की इस 2024 की रिपोर्ट में उसने कुल 136 देशों के डेटा का अध्ययन किया है। इस डेटा के अध्ययन के बाद इन संस्थाओं ने पाया कि इनमें से 127 देशों के 2019 से 202 तक के डेटा इतने मुकम्मिल हैं कि उनके आधार पर इनका वैश्विक भूख सूचकांक प्राप्त किया जा सकता है। शेष 9 देशों के पर्याप्त डेटा उपलब्ध नहीं थे, इसलिए उन्हें छोड़ दिया गया। यह सूचकांक प्राप्त करने के लिए जो डेटा प्रयुक्त किया गया उसकी विश्वसनीयता का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि वह संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रकाशित स्त्रोतों से लिया गया है। ये स्त्रोत हैं संयुक्त राष्ट्र संघ का खाद्य एवं कृषि संगठन, विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनीसेफ़, और संयुक्त राष्ट्र संघ का बाल मृत्यु आकलन विषयक अंतर-अभिकरण समूह। इनके अलावा विश्व बैंक, और जनसांख्यिकी और स्वास्थ्य सर्वेक्षण कार्यक्रम भी इसमें शामिल रहे।

यह सूचकांक चार मुख्य संकेतकों को मिलाकर तैयार किए गए एक फॉर्मूला के आधार पर भूख की बहु आयामी प्रकृति की पड़ताल करता है। ये चार मुख्य संकेतक हैं अल्पपोषण अर्थात अपर्याप्त कैलोरी प्राप्त कर सकना, पांच वर्ष से कम की आयु के वे बच्चे जो क्रॉनिक अल्पपोषण के शिकार हैं और इस कारण जिनकी लम्बाई उनकी उम्र के हिसाब से कम है, पांच वर्ष से कम आयु के वे बच्चे जिनका वजन उनकी ऊंचाई के हिसाब से कम है और जो अत्यधिक अल्पपोषण के शिकार हैं, और पांच वर्ष के कम आयु वाले बच्चों की बाल मृत्यु दर। इन चार संकेतकों के आधार पर प्रत्येक देश के लिए एक सौ बिंदु के पैमाने पर वैश्विक भूख सूचकांक की गणना की जाती है। शून्य स्कोर का आशय है जहां भूख शून्य है और जैसे-जैसे यह स्कोर बढ़ता जाता है, भूख की गम्भीरता प्रदर्शित होती है। दस बिंदु से कम वाले देश कम भूख वाले माने जाते हैं, 10 से 19.9 बिंदु तक वाले देश मध्यम भूख वाले, 20 से 34.9 बिंदु वाले देश गम्भीर भूख वाले, 35 से 49.9 वाले ख़तरनाक भूख वाले और 50 से ज़्यादा बिंदु वाले देश अत्यधिक खतरनाक भूख वाले देश माने जाते हैं। इस पैमाने पर हमारा देश सन् 2024 के सूचकांक में 27.3 बिन्दु (गम्भीर भूख) प्राप्त कर 105 वें स्थान पर है। इस गम्भीर भूख वर्ग में दुनिया के 42 देश शामिल हैं। यहीं यह बात भी ग़ौर तलब है कि इस सूचकांक के अनुसार हमने अपनी स्थित लगातार सुधारी है। सन 2000 में हमारे पास 38.4, 2008 में 35.2 और 2016 में 29.3 बिंदु थे। इस सूचकांक के अनुसार भारत की 13.7 प्रतिशत आबादी कुपोषित है। इसमें से पांच वर्ष से कम आयु के 35.5 प्रतिशत बच्चों की लम्बाई कम है, 18.7 प्रतिशत बच्चे कमज़ोर हैं और 2.9 प्रतिशत बच्चे अपने पांचवें जन्म दिन से पहले ही यह दुनिया छोड़ जाते हैं।

इस साल के सूचकांक में एक बहुत महत्व की बात यह कही गई है कि सारी दुनिया के लिए वैश्विक भूख सूचकांक 18.3 है, जिसे मॉडरेट अर्थात मध्यम भूख वाला माना जाता है। मतलब यह कि औसतन पूरी दुनिया ही भूख के लिहाज़ से संतोषजनक हालत में नहीं है। हम इस बात से बहुत खुश नहीं हो सकते कि 2016 की तुलना में, जब यह स्कोर 18.8 था, हम बहुत थोड़ा ही बेहतर कर सके हैं।

यह चर्चा बेमानी होगी कि इस सूचकांक में कौन-कौन से देश हमसे बेहतर और कौन कौन से देश बदतर स्थिति में हैं, हालांकि समाचार माध्यमों में इस तरह से भी चर्चा होती रहती है। मुझे लगता है कि इस तरह की चर्चा हमारा ध्यान भटकाती है। अरे, वह देश तो हमसे भी ज़्यादा बुरी स्थिति में है, फिर उसका स्कोर हमसे बेहतर कैसे हो सकता है? ज़रूर इस आकलन में कोई गड़बड़ हुई है। इसलिए वह बात न की जाए तो अच्छा होगा।

इसकी बजाय मैं एक अन्य मुद्दे पर बात करना ज़रूरी समझ रहा हूं। इस साल के सूचकांक में एक बहुत महत्व की बात यह कही गई है कि सारी दुनिया के लिए वैश्विक भूख सूचकांक 18.3 है, जिसे मॉडरेट अर्थात मध्यम भूख वाला माना जाता है। मतलब यह कि औसतन पूरी दुनिया ही भूख के लिहाज़ से संतोषजनक हालत में नहीं है। हम इस बात से बहुत खुश नहीं हो सकते कि 2016 की तुलना में, जब यह स्कोर 18.8 था, हम बहुत थोड़ा ही बेहतर कर सके हैं। इस सूचकांक में बहुत व्यथा के साथ यह बात कही गई है कि सन् 2030 तक पूरी दुनिया को भूख मुक्त कर देने का जो लक्ष सामने रखा गया था, वह अब पूरा होता नज़र नहीं आ रहा है। असल में इस सूचकांक में तो और गम्भीर और हताश कर देने वाली बात कही गई है, और वह यह कि वर्तमान रुझान को देखते हुए सन् 2160 तक अर्थात लगभग सवा सौ साल के बाद भी दुनिया कम भूख वाली स्थिति में ही आ सकेगी। पूर्ण भूख मुक्ति तब भी नहीं हो सकेगी।

बात केवल भारत की ही नहीं है, सारी दुनिया की है। इस सूचकांक के साथ प्रकाशित सामग्री में इस बात की तरफ ध्यान आकर्षित किया गया है कि लैंगिक असमानता, खाद्य असुरक्षा और जलवायु परिवर्तन भूख के सबसे बड़े कारक हैं। यह बात भी ध्यातव्य है कि ये तीनों कारक परस्पर सम्बद्ध हैं। खाद्यअसुरक्षा और जलवायु परिवर्तन का सबसे ज़्यादा कुप्रभाव बच्चियों, लड़कियों और स्त्रियों पर पड़ता है। उन्हें हर तरह के भेदभाव का सामना करना पड़ता है और इसका सीधा सर उनके पोषण पर पड़ता है।

इस सूचकांक में वर्तमान स्थिति को बदलने के लिए तीन बड़ी अनुशंसाएं की गई हैं। ये हैं: 1. पर्याप्त भोजन के अधिकार से सम्बद्ध अंतर्राष्ट्रीय कानून की जवाबदेही को सुदृढ़ किया जाए। सरकारें अपने विधिक दायित्व का निर्वहन करें, वे भोजन के अधिकार को सुनिश्चित करें और विभिन्न तरीकों से इसे प्रभावी करें। 2. भोजन व्यवस्था और जलवायु नीतियों और कार्यक्रमों में लैंगिक रूपांतरण विषयक सोच को प्रोत्साहित करें। इसके लिए विभिन्न मंचों पर महिलाओं की अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाए। नीति निर्माता कानूनों और नीतियों के निर्माण व उन्हें लागू करने के मामलों में लैंगिक समानता पर ध्यान दें। 3. सरकारें अपने वित्तीय साधनों का इस तरह पुनर्नियोजन करें जिससे ढांचागत भेदभाव कम हो और स्थिति बेहतर हो।

मुझे लगता है कि बजाय इस तरह के आकलनों को नकारने के हमारा सारा बल इस बात पर होना चाहिए कि जैसे भी हो स्थिति बेहतर हो। असल में स्थिति को नकारना समस्या से आंख मूंद लेना है, और ऐसा करना किसी के भी हित में नहीं होगा। यह स्थिति मुझे सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की एक कविता 'भूख' की याद दिला रही है। कविता है– **जब भी/ भूख से लड़ने/ कोई खड़ा हो जाता है/ सुंदर दिखने लगता है।/ झपट्ता बाज़/ फन उठाएं सांप/ दो पैरों पर खड़ी/ कांटो से नन्हीं पत्तियां खाती बकरी,/ दबे पांव झाड़ियों में चलता चीता,/ डाल पर उल्टा लटक/ फल कुतरता तोता,/ या इन सब की जगह/ आदमी होता।/ जब भी/ भूख से लड़ने/ कोई खड़ा हो जाता है/ सुंदर दिखने लगता है।**

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

आज की महिला : मातृत्व का बोझ एवं भावनात्मक संघर्ष

डॉ. रामावतार शर्मा

मातृत्व एक महिला के लिए जीवन पलटनेवाला अनुभव होता है जिसमें शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक परिवर्तनों की एक पूरी श्रृंखला होती है। यह सब सदा से होता रहा है पर अब बदलते समय के साथ मातृत्व की मनोवैज्ञानिक परिस्थितियां तथा भावनात्मक मांगें अत्यधिक जटिल हो गई हैं। आज शहरी जीवन में एक विशेष किस्म की जीवनशैली उभर कर सामने आ गई है जिसमें सामाजिक जीवन नगण्य-सा होता जा रहा है तथा बड़ा पारिवारिक जीवन तो है ही नहीं। ऐसे में सामान्यतया हर युवती को मातृत्व का बोझ अकेले ही ढोना पड़ता है। प्रसवोत्तर काल के प्रारंभिक चंद सप्ताह तक सास या स्वयं की माता का थोड़ा बहुत सहारा मिलने के बाद बच्चे के लालन पालन का सारा भार माता पर ही आता है। यह एक विकट समस्या है जिसका निवारण फिलहाल सामने नजर नहीं आता है। भारतीय समाज में पोस्ट ट्रॉमेटिक स्ट्रेस (अभिघात जन्य तनाव) को लेकर कोई ज्यादा जन जागरूकता नहीं है इसलिए हम किसी कष्टमय स्थिति से गुजरने वाले व्यक्ति की मन:स्थिति को लेकर तर्कसंगत रूप से संवेदनशील नहीं हैं और यदि हों तो भी उस व्यक्ति को कुछ राहत देने में अधिक सक्षम नहीं है। प्रसव एक बड़े शारीरिक कष्ट और पीड़ा की स्थिति होती है जिसमें भावनात्मक स्तर पर भी एक महिला को अकेले ही जूझना पड़ता है। प्रसव पोस्ट ट्रॉमेटिक स्ट्रेस का एक महत्वपूर्ण कारण होता है।

कोई भी अल्पकालिक तनाव तो भागो या सामना करो के सिद्धांत पर टिका हुआ होता है तथा हमारा मन और शरीर उस बारे में संघर्ष करने को प्रकृति द्वारा सक्षम होता है परंतु यदि तनाव दीर्घकालिक हो जाए तो यह मानसिक, शारीरिक, सामाजिक, भावनात्मक और आर्थिक स्वास्थ्य सभी के लिए हानिकारक होता है। आज की महिला एक कामकाजी व्यक्ति है। उसे घर संभालना है, बच्चों की परवरिश और शिक्षा पर ध्यान देना है, अपने कार्य क्षेत्र में टिके रहना और आगे बढ़ना है और परिवार के साथ सामंजस्य बनाए रखना है। इतने मोर्चों पर एक साथ तालमेल बिठाना एक अत्यंत कठिन कार्य होता है जिसके बारे में उसे कभी भी प्रशिक्षित नहीं किया गया है। ऊपर से हमारे समाज में व्यावहारिक एवं व्यक्तिगत संवाद की बड़ी कमी है और अधिकतर मामलों में आलोचना और आरोप प्रत्यारोप का ही बोलबाला रहता है। ऊपर से मोबाइल फोन के दुरुपयोग से नव वधू हो या फिर वर्षों से विवाहित महिला हो, उसका अपने मायके से अत्यधिक संपर्क रहने लगा है। इसके फलस्वरूप उसका अपने ससुराल पक्ष से लगाव व जुड़ाव मजबूत नहीं हो पाता है। ऐसा होने के कारण घरों में हर समय तनाव की स्थिति बनी रहती है जो सभी के लिए हानिकारक है परंतु अहंकारवश कोई भी पक्ष संवाद के लिए तैयार नहीं होता है।

किसी भी तनाव पूर्ण स्थिति का मुकाबला करना और समाधान प्राप्त करना इस बात पर निर्भर करता है कि व्यक्ति विशेष की नजर में किसी रिश्ते की कीमत क्या है, उसमें आत्मविश्वास कितना है। इन बातों के अलावा व्यक्ति की मनोवैज्ञानिक दृढ़ता का भी किसी स्थिति से निबटने में बड़ा महत्व होता है। ऐसा न होने की स्थिति में पीड़ित व्यक्ति स्वयं भी एक तरह से सामने वाले को प्रताड़ित करने वाला बन जाता है और पूरा परिवार आपसी प्रताड़ना का विध्वंसकारी खेल खेलने लगता है जहां जीवन बड़ा कष्टकारी हो जाता है। ऐसा सब कुछ उन परिवारों में होता रहता है जो बाहरी तौर पर अच्छे खासे सुखी एवम् समृद्ध नजर आते हैं।

शोधकर्ताओं में इस बात पर भी सहमति नहीं बन पाई है कि एक बालक और बालिका का पालन पोषण अलग अलग तरीके से करना चाहिए या नहीं। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, अमेरिका के डॉक्टर नीरव शाह के अनुसार सर्वाइवल (उत्तरजीविता), प्रसार (प्रोपेगेशन), प्रजनन और स्वयं के अस्तित्व के लिए नारी मस्तिष्क एवम् व्यवहार में कुछ जन्मजात विभिन्नताएं होती हैं इसलिए एक बालिका और एक बालक के पालन और प्रशिक्षण में अलग अलग नीति अपनानी चाहिए। अधिकतर अध्ययन इंगित करते हैं कि बालिका का प्रशिक्षण किसी महिला और बालक का पुरुष द्वारा होना चाहिए जिसमें माता-पिता या परिवार का कोई अन्य निकट का सदस्य हो सकता है। चंद आपत्तियों के बावजूद यह निष्कर्ष एक बेहतर दृष्टिकोण है कि एक बालक और एक बालिका का पालन पोषण और प्रशिक्षण उनके लिंगानुसार किया जाए ताकि प्रकृति प्रदत्त विशेषताओं को अधिक विकसित होने का अवसर मिले। इस तरह के प्रशिक्षण का अभाव आगे चलकर स्त्री के लिए मातृत्व को एक बोझ बना देता है और जीवन को भावनात्मक संघर्ष में बदल देता है। पारिवारिक संघर्ष विश्व का सबसे बड़ा अदृश्य महायुद्ध है।

–डॉ रामावतार शर्मा,
(चिकित्सक एवं लेखक)

बीकानेर के क्ले से मोरबी में सालाना 50 हजार करोड़ का सिरेमिक कारोबार

अगर राजस्थान सरकार कोलायत में ही सिरेमिक इकाईयां लगाने के लिए सस्ता फ्यूल और व्यापारियों को सहयोग करे तो यहां गुजरात के मोरबी से बड़ा हब बन सकता है

- **कोलायत तहसील के क्ले को 400 रुपए टन लेकर मोरबी में 20 हजार रुपए टन के सिरेमिक उत्पाद बेचे जा रहे हैं**
- **देशभर में मौजूद क्ले का करीब 70 प्रतिशत भंडार बीकानेर के कोलायत में है और खान एवं भूविज्ञान विभाग ने यहां 210 खनन पट्टे जारी कर रखे हैं**

बीकानेर, (निसं)। जिले की कोलायत तहसील में बाल क्ले का भंडार है, जिस पर आधारित 1000 से ज्यादा इकाईयां लगाकर गुजरात का मोरबी जिला सिरेमिक हब बना है। बीकानेर की क्ले से मोरबी में हर साल 50 हजार करोड़ रुपए का सिरेमिक उत्पादों का कारोबार हो रहा है। यहां की क्ले 400 रुपए टन लेकर मोरबी में 20 हजार रुपए टन के सिरेमिक उत्पाद बेचे जा रहे हैं। अगर राजस्थान सरकार कोलायत में ही सिरेमिक इकाईयां लगाने के लिए सस्ता फ्यूल और व्यापारियों को सहयोग करे तो यहां गुजरात के मोरबी से बड़ा हब बन सकता है।

देशभर में मौजूद क्ले का करीब 70 प्रतिशत भंडार बीकानेर के कोलायत में है और खान एवं भूविज्ञान विभाग ने यहां 210 खनन पट्टे जारी कर रखे हैं। हर साल क्ले की खानों में 31 लाख टन क्ले का उत्पदान होता है जिसका 98 प्रतिशत दूसरे राज्यों में निर्यात होता है। सबसे ज्यादा क्ले गुजरात के मोरबी में जाती है जो बीकानेर की क्ले के कारण ही सिरेमिक का हब बना हुआ है।

वहां 1000 से ज्यादा इकाईयां है जिनमें बीकानेर की क्ले से सिरेमिक उत्पाद तैयार किए जाते हैं। इन इकाईयों में 50 हजार करोड़ रुपए का पूंजी निवेश किया गया है और करीब 30 हजार श्रमिक हर साल 50 हजार करोड़ रुपए के सिरेमिक उत्पाद तैयार करते हैं।

गुजरात 15 हजार करोड़ रुपए के उत्पदों का निर्यात करता है। गुजरात में सिरेमिक उद्योग से हर साल वहां की सरकार और केन्द्र को 10,000 करोड़ रुपए का वार्षिक कर मिल रहा है। इतना ही नहीं, सिरेमिक उद्योग से जुड़ी सहायक इकाईयों जैसे गत्ते के डिब्बे बनाना, डिजाइन स्टूडियो, मशीनरी उत्पादन, ट्रांसपोर्टेशन आदि की गणना की जाए तो यह आंकड़ा और बढ़ जाएगा।

यह सब बीकानेर की क्ले पर आधारित कारोबार है और मोरबी को हब बनाने में सबसे बड़ा कारण है वहां के व्यापारियों को ईंधन के रूप में गैस उपलब्ध कराना। राजस्थान सरकार अगर इसकी गंभीरता को समझे और कोलायत में व्यापारियों को सस्ते फ्यूल यानी गैस उपलब्ध करा दे तो यहां बड़े-बड़े उद्योग घराने इन्वेस्ट करेंगे और कोलायत तहसील मोरबी से भी बड़ा सिरेमिक हब बन जाएगा।

यह बीकानेर में के व्यापारियों की दो दशकों पुरानी मांग भी है, लेकिन राज्य में भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों की सरकारों और स्थानीय मंत्री, नेताओं ने इसे कभी गंभीरता से नहीं लिया है। वर्तमान में नई भाजपा सरकार ने अपने पहले बजट में बीकानेर में सिरेमिक सेंटर की स्थापना की घोषणा की है जिससे यहां के उद्यमियों और जनता को उम्मीदें जगी हैं। विश्व में भारत सिरेमिक टाइल्स बनाने में तीसरे स्थान पर है। देश में औसतन 400 करोड़ वर्ग मीटर सिरेमिक टाइल्स का उत्पादन हो रहा है और इसमें से 70 प्रतिशत उत्पादन बीकानेर की क्ले से मोरबी में हो रहा है। भारत में प्रति व्यक्ति टाइल्स की खपत लगभग एक वर्ग मी. प्रति वर्ष है जो कि ब्राजील, चाइना, वियतनाम आदि देशों की तुलना में बहुत कम है। वहां की वार्षिक खपत 4 से 6 वर्ग मी. है।

केन्द्र सरकार की सबके लिए आवास, स्वच्छ भारत, सस्ते मकान जैसी नीतियों को देखते हुए आने वाले समय में सिरेमिक टाइल्स की मांग 15 प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ने का अनुमान है। बीकानेर क्ले के कारण इसमें सबसे बड़ी भूमिका निभा सकता है और यहां आर्थिक सामाजिक परिदृश्य बदल सकता है। राजस्थान सरकार स्थानीय और अन्य राज्यों के सिरेमिक उद्यमियों को विश्वास में लेकर प्रभावी कदम उठाए तो बीकानेर भारत में ही नहीं, विश्व में सिरेमिक का केन्द्र बन सकता है। इसके लिए एक नीति बनाकर अल्पकालीन और दीर्घकालीन लक्ष्य निर्धारित करना जरूरी हैं।

बीकानेर के गजनेर इंडस्ट्रियल एरिया के सिरेमिक जोन में 25 हेक्टेयर के भूखंड रिजर्व किए जाएं। रियायती दरों पर बड़े साइज, 180 मी. गुना 450 मी. के भूखंड उपलब्ध कराए जाएं। उद्यमियों के रूपांतरित भूखंडों पर प्रस्तावित इकाईयों के लिए बिजली-पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हो। वर्तमान उद्योगों के पास ही उपलब्ध सरकारी, बंजर जमीन रियायती दर पर आवंटित की जाए। गैस सप्लाई कंपनियों बीपीएल, एलओसी आदि से जैसलमेर में उपलब्ध गैस पाइप लाइन से सिरेमिक इकाईयों को उचित मूल्य पर गैस उपलब्ध कराई जाए। वर्तमान में राजस्थान में विद्युत दर गुजरात से 25 प्रतिशत ज्यादा है।

राजस्थान सरकार इस पर विचार कर सिरेमिक जोन में समयबद्ध तरीके से दरें कम करते हुए बिजली की उपलब्धता तय करें। सिरेमिक उद्योग रोजगारोन्मुखी है। टाइल्स आम आदमी के उपयोग की वस्तु है। टाइल्स पर जीएसटी वर्तमान रेट 18 प्रतिशत से कम कर 12 प्रतिशत तक करना चाहिए। वर्तमान में निवेशकों में असुरक्षा का माहौल है। बार-बार बदल रही कर नीति, पर्यावरण स्वीकृति की जटिलता, पेट्रोलियम पदार्थों का जीएसटी में नहीं लाना। अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग बिजली पेट्रोलियम पदार्थ दर उद्योग में निजी निवेश को हतोत्साहित करती है। सिंगल विंडो प्रकोष्ठ बनाया जाना चाहिए जिसका मुख्यालय बीकानेर में हो, ताकी प्रस्तावित सिरेमिक उद्योग को भूमि रूपांतरण, बिजली कनेक्शन, पर्यावरण संबंधी अनापत्ति व अन्य प्रकार की स्वीकृतियां समयबद्ध तरीके से दिलाई जा सके।

राजस्थान इंटरनेशनल फोक फेस्टिवल "रिफ" का समापन

जोधपुर, (कास)। जोधपुर राजस्थान इंटरनेशनल फोक फेस्टिवल के 17वें संस्करण का रविवार सुबह समापन हुआ। 5:30 बजे कबीर गायन के साथ सफेद संगमरमरी इमारत जसवंतथड़ा के आहते में निर्गुणी कविता व भजन की धुनों से सुफियाना फिजां में देसी- विदेशी मेहमानों ने रुहानियत महसूस की। रिफ रसल में देसी-विदेशी 31 कलाकारों की जुगलबंदी ने मन मोहा।

रिफ डॉन में पद्मश्री कालूराम बामणिया द्वारा कबीर, बुलेशाह, मीराबाई के रुहानी भजनों की प्रस्तुति दी। इसके साथ ही 17वें सीजन का समापन हुआ। इससे पहले शनिवार मिड नाईट में रात दो बजे रिफ रसल में मेहरानगढ़ की जनाना कोर्टयार्ड में 31 कलाकारों ने एक साथ प्रस्तुति दी। लंगा मांगणियार ने अलाप लगाकर लोक गीज घूमर से कार्यक्रम की शुरुआत की, सिंधी सारंगी, खड़ताल व ढोल की धुन में देर रात कोर्टयार्ड में बैठे दर्शकों के रगों में जोश भर दिया। रसलर गिरधर उडूपा ने राजस्थानी कलाकारों के साथ विदेशी कलाकारों की जुगलबंदी से हर कोई झूम उठा। सोना महापात्रा ने लंगा बैंड साज के साथ बादली, हिचकी आदि सॉन्ग की प्रस्तुति दी।

खड़ताल के साथ एली मिलर का कांगो, कोरियन ठो बाय सिल्वर बैंड, यूरोप का पूलूप बैंड की जुगलबंदी ने जो समां बांधा। देर रात डेढ़ घंटे चले इस कार्यक्रम में हर कोई संगीत की इस जुगलबंदी में मंत्र मुग्ध नजर आया। जनाना कोर्टयार्ड के मंच पर जैसे ही सिंगर सोना महापात्रा ने एंट्री ली और आई गिरी नंदनी... गाया तो लोगों ने जमकर तालियों से स्वागत किया।

एक घंटे की प्रस्तुति में सोना महापात्रा ने ओडिसा के फोक सोंग के अलावा आसाम व बंगाली फोक सोंग की प्रस्तुति दी। महापात्रा ने अपने नए एलबम बादली का सोंग भी लंगा कलाकारों के साथ गाया। क्लासिकल, पॉप व फोक सिंगर, कंपोजर, लिरीसिस्ट महापात्रा ने अपनी कला के सभी आयाम की बेहतरीन प्रस्तुति दी।

कश्मीर से आये युवाओं ने सैंड आर्ट कार्यशाला देखी

युवाओं ने पुष्कर भ्रमण किया और पौराणिक महत्व जाना

पुष्कर, (निसं.)। भारत सरकार के युवा मंत्रालय के द्वारा नेहरू युवा केंद्र के माध्यम से "वतन को जानो कार्यक्रम" के तहत कश्मीर से आये युवाओं को सैंड आर्ट कार्यशाला को दिखाया गया।

इस दौरान सेंड आर्ट के कलाकार अजय रावत ने सैंड आर्ट की बारीकियों को बताया। इस अवसर पर नेहरू युवा केंद्र के ज़िला समन्वयक जयेश कुमार भी उपस्थित थे। कश्मीर से कुल 162 युवा पिछले एक सप्ताह से अजमेर में ठहरे हुये हैं और आसपास के पौराणिक स्थलों का भ्रमण कर रहे है और उनके बारे में जानकारी ले हैं। वहीं ब्रह्मा मंदिर और पुष्कर सरोवर के बारे में भी युवाओं को इनका महत्व बताया गया।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 21 अक्टूबर, 2024

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2081, रोहिणी नक्षत्र प्रात: 6:50 तक, वारियान योग दिन 11:11 तक, कौलव करण दिन 3:24 तक, चन्द्रमा आज सायं 6:15 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-तुला, चन्द्रमा-वृष, मंगल-मिथुन, बुध-तुला, गुरू-वृष, शुक्र-वृश्चिक, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

कुमार योग सूर्योदय से प्रात: 6:50 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग मंगलवार प्रात: 5:51 तक है। अमृत सिद्धि योग प्रात: 6:50 से रात्रि 2:30 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:58 तक, शुभ 9:23 से 10:47 तक, चर 1:36 से 3:00 तक, लाभ-अमृत 3:00 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:34, सूर्यास्त 5:49

मेष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिव कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिव कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष
व्यावसायिव कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय बना रहेगा। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। व्यावसायिव कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी।

कर्क
आर्थिक/वित्तिय मामलों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिव कार्यों पर नियंत्रण बना रहेगा।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। व्यावसायिक परेशानियां अभी बनी रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

वृश्चिक
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

धनु
स्वास्थ्य में सुधार होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

कुंभ
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 09 प्रभात कोटा, सोमवार 21 अक्टूबर, 2024 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

राजस्थान में निवेश आमंत्रित करने के लिए जर्मनी तथा यू.के. का सफल दौरा करके जयपुर लौटे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का भाजपा के प्रदेश कार्यालय पर भावपूर्ण स्वागत हुआ।

विदेश यात्रा से लौटे मुख्यमंत्री भजनलाल का भाजपा कार्यालय पर भव्य स्वागत

मुख्यमंत्री ने कहा, राजस्थान में निवेश के लिये 15 लाख करोड़ रूपए के एम.ओ.यू. हुए

जयपुर, 20 अक्टूबर। राइज़िंग राजस्थान 2024 को सफल बनाने के उद्देश्य से जर्मनी और यू.के. की यात्रा पर गए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का जयपुर लौटने पर भव्य स्वागत अभिनंदन किया गया। जयपुर एयरपोर्ट पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के साथ कैबिनेट मंत्री, भाजपा पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा कर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्वागत किया। एयरपोर्ट के बाद जवाहर सर्किल, स्टेच्यू सर्किल, चौमूं हाउस सर्किल के बाद भाजपा प्रदेश कार्यालय पर भी भजनलाल शर्मा का अभूतपर्वू स्वागत और अभिनंदन किया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस अवसर पर कार्यकर्ताओं का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र में किए गए वादों को पूरा करने के लिए सरकार पहले दिन से संकल्पबद्ध है। विकसित राजस्थान के सपने को साकार करने के लिए भाजपा सरकार ने पहले ही साल में राइज़िंग राजस्थान के लिए निवेशकों से एम.ओ.यू. करने शुरू कर दिए। मुंबई, दिल्ली, जापान, दक्षिणी कोरिया के बाद अब जर्मनी और यू.के. के निवेशकों को राजस्थान में निवेश के लिए तैयार किया गया है।

- **''राज्य सरकार का लक्ष्य है, राजस्थान की अर्थव्यवस्था को 180 बिलियन से 350 बिलियन डॉलर करना। जर्मनी, जापान, ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात व सिंगापुर की बड़ी कम्पनियों ने राजस्थान में निवेश करने में रूचि दर्शाई है।''**
- **भाजपा सरकार प्रदेश की आठ करोड़ जनता को ध्यान में रख सभी 200 विधानसभा सीटों में विकास कार्य कर रही है। उसका उद्देश्य है कि युवाओं को रोजगार मिले तथा उत्कृष्ट व विकसित राजस्थान बने।**

भाजपा सरकार ने राजस्थान में निवेश के लिए अब तक 15 लाख करोड़ रूपए से अधिक के एम.ओ.यू. साइन कर लिए हैं। जर्मनी, जापान, ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर की बड़ी बड़ी कंपनियां राजस्थान में निवेश के लिए रूची दिखा रही हैं। भाजपा सरकार का लक्ष्य राजस्थान की अर्थ व्यवस्था को 180 बिलियन डॉलर से 350 बिलियन डॉलर करना है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उपचुनावों में भाजपा प्रत्याशियों को विजयी बनाने का आ ान करते हुए कहा कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने खींवसर, झुंझुनूं, दौसा, देवली, रामगढ और सलुंबर से जन समर्थन वाले प्रत्याशी को मैदान में उतारा है। हमें इन सभी प्रत्याशियों को विजय दिलानी है। केंद्र में नरेंद्र मोदी देश के 140 करोड़ देशवासियों को अपना परिवार मानकर योजनाएं लागू कर रहे हैं, उसी तर्ज पर भाजपा सरकार प्रदेश की 8 करोड़ जनता को ध्यान में रखकर सभी 200 विधानसभाओं में विकास के कार्य कर रही है। हमारा उद्देश्य है कि युवाओं को रोजगार मिले, उत्कृष्ट राजस्थान बने, विकसित राजस्थान बने, इसके लिए हमारी सरकार प्रयासरत है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि विकसित राजस्थान के सपने को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दिन रात प्रयास कर रहे है। एक ओर राजस्थान की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार थी, जिसके समय निवेशक सरकार पर भरोसा तक नहीं कर पा रहे थे लेकिन, राजस्थान की सरकार पर निवेशक भरोसा जता रहे है।

कार्यक्रम में मंच पर उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा, मंत्रीगण जोगाराम पटेल, हीरालाल नागर, मदन दिलावर, अविनाश गहलोत, सांसद घनश्याम तिवाडी, मंजू शर्मा, दामोदर अग्रवाल, पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ अरूण चतुर्वेदी, अशोक परनामी, विधायक कैलाश वर्मा, गोपाल शर्मा, बाल मुकुंदाचार्य, महेंद्र पाल मीणा, रामोवतार मीणा, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, सीआर चौधरी, जिला प्रमुख रमा चोपडा, प्रदेश महामंत्री संतोष अहलावत, प्रदेश मंत्री भूपेंद्र सैनी, महेंद्र कुमावत, मेयर कुसुम यादव, उपमहापौर पुनीत कर्नावत सहित भाजपा पदाधिकारी, मोर्चा, प्रकोष्ठ, विभागों के अध्यक्ष और संयोजकों के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्तागण मौजूद रहे।

दिल्ली की रोहिणी में बम विस्फोट, कोई जनहानि नहीं

सी.आर.पी.एफ. स्कूल के पास रविवार सुबह हुए विस्फोट में गाड़ियों के शीशे टूटे

नयी दिल्ली, 20 अक्टूबर। दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-14 में सी.आर.पी.एफ. स्कूल के पास रविवार को जोरदार धमाका हुआ जिससे, आसपास खड़ी गाड़ियों के शीशे टूट गये और इलाके में अफरा-तफरी मच गयी।

रोहिणी जिले के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि सुबह 7:47 पर हुआ धमाका इतना जोरदार था कि उसकी वजह से आसपास खड़ी गाड़ियों के शीशे टूट गये।

साथ ही कुछ दुकानों को भी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने बताया कि तेज धमाके के बाद धुएं का गुबार उठा जिससे पुलिस और स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। अब तक यह पता नहीं चल पाया है कि धमाका किस चीज में हुआ। पुलिस ने धमाके के कारणों का पता लगाने के लिए विशेषज्ञों की टीम

- **एन.एस.जी., स्पेशल सेल, एफ.एस.एल. की टीमें घटना स्थल पहुँची। जाँच के बाद ही स्पष्ट होगा कि यह हमला था या हादसा।**

बुलायी है, जो इस घटना की जांच करेगी।

घटनास्थल पर एन.एस.जी. के साथ दमकलकर्मी, दिल्ली पुलिस स्पेशल सैल और एफ.एस.एल., अपराध की टीम पहुंच गयी है और पूरे मामले की जांच की जा रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि यह कोई हमला था या हादसा।

उपायुक्त के मुताबिक, धमाके में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने इलाके को बैरिकेड लगाकर सील कर दिया है।

एन.एस.जी. में बम निरोधक दस्ते के हेड मोहम्मद जमाल को मौके पर बुलाया गया था जो बम की कैटेगरी को समझने के विशेषज्ञ हैं।

एफ.एस.एल., बम स्कॉड, एन.एस.जी. ने मौके से कटे हुए तार के टुकड़े, पेंसिल सेल, सफेद रंग का पाउडर बरामद किया। फिलहाल सभी एजेन्सियों ने जो सबूत जुटाए हैं उनकी एक विस्तृत रिपोर्ट गृह मंत्रालय से साझा की जाएगी। गृह मंत्रालय की एक टीम भी मौके पर पहुंची थी। फिलहाल लोकल पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है जिसको जल्द स्पेशल सेल या गृह मंत्रालय के आदेश पर केन्द्रीय एजेन्सी को भी ट्रांसफर किया जा सकता है।

शुरुआती जांच में ऐसा लग रहा है कि ये ब्लास्ट पब्लिक को नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं बल्कि कोई मैसेज देने या अपनी ताकत दिखाने के लिए किया गया है। रोड के एक तरफ सी.आर.पी.एफ. स्कूल की बाउन्ड्री पर बम प्लांट किया गया, समय भी सुबह का चुना गया और रविवार का दिन भी था, जब वहां भीड़ नहीं होती है।

पूरे इलाके की स्कैनिंग की गई है और सभी दुकानों के सी.सी.टी.वी. डीवीआर को जब्त कर लिया गया है।

एक सी.सी.टी.वी. में ब्लास्ट की पूरी घटना कैद हुई है, जिसमें विस्फोट की इन्टैन्सिटी देखी जा सकती है। सूत्रों के मुताबिक एक सी.सी.टी.वी. में कुछ संदिग्ध लोग देखे गए हैं, जिनकी भूमिका को वेरिफाई किया जा रहा है।

रविवार को 20 विमानों को बम की धमकी मिली

नई दिल्ली/मुंबई, 20 अक्टूबर। देश में यात्री विमानों को मिल रही धमकी का सिलसिला लगातार जारी है। रविवार को 20 से ज्यादा फ्लाइट्स को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इनमें इंडिगो, विस्तारा और एयर इंडिया के छह-छह विमान शामिल हैं।

एक दिन पहले, शनिवार को 30 से ज्यादा विमानों को धमकी मिली थी।

- **इंडिगो, विस्तारा व एयर इंडिया के 6-6 विमानों की इमरजैंसी लैंडिंग हुई।**
- **आपात लैंडिंग तथा उड़ानों में देरी आदि से अब तक एयरलाइन्स को 200 करोड़ रूपए का नुकसान हो चुका है।**

इसके कारण सैकड़ों यात्री घंटों परेशान हुए। पिछले एक हफ्ते में 90 से ज्यादा विमानों को बम की धमकी मिल चुकी है। बाद में ये सभी झूठी साबित हुईं। इन धमकियों की वजह से अब तक 200 करोड़ रुपए तक का नुकसान हो चुका है। गृह मंत्रालय ने इस संबंध में सिविल एविएशन मिनिस्ट्री और ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्यूरिटी से डिटेल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बाड़ी में स्लीपर कोच व टैम्पो की टक्कर में 12 की मौत

बारह जनाज़े एक साथ निकले तो बाड़ी में शोक छा गया

धौलपुर, बाड़ी 20 अक्टूबर । धौलपुर जिले के बाड़ी सदर थाना क्षेत्र में एन.एच. 11 बी पर सुनीपुर गांव के पास शनिवार रात करीब 11 बजे जयपुर जा रही स्लीपर कोच बस ने एक टैंपो को टक्कर मार दी। इस दर्दनाक हादसे में पांच बच्चे, तीन बच्चियां, तीन महिलाओं सहित 12 जनों की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर बाड़ी राजकीय सामान्य चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवा दिया है। तीन घायलों की नाजुक हालत होने पर उन्हें जिला चिकित्सालय धौलपुर रैफर किया है, लेकिन, रास्ते में एक महिला की मौत हो गई।

- **बाड़ी शहर निवासी इरफान अपने परिजनों के साथ बरौली गाँव में भात के कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहा था, जब तेज रफ्तार से आ रही स्लीपर कोच ने टैम्पो को सामने से टक्कर मारी।**

जानकारी के अनुसार बाड़ी शहर की करीम कॉलोनी के गुमट मोहल्ला निवासी इरफान उर्फ बंटी, पुत्र बफ्फो खान, सरमथुरा थाना क्षेत्र के गांव बरौली में अपने परिवार के सदस्यों को साथ लेकर भात कार्यक्रम में शामिल होने गया था। शनिवार देर रात को परिवार के सभी सदस्य टैम्पो में सवार होकर वापस घर लौट रहे थे, लेकिन बाड़ी की तरफ से तेज रफ्तार स्लीपर कोच बस ने सुनीपुर गांव के पास टैम्पो को सामने से टक्कर मार दी। इस दर्दनाक हादसे में 11 जनों की मौत हो गई। दुर्घटना को देख हाईवे से गुजर रहे अन्य वाहन चालक मौके पर रुक गए और घटना की सूचना पुलिस को दी। दुर्घटना की खबर सुनकर धौलपुर जिला कलक्टर श्रीनिधि बीटी एवं धौलपुर जिला पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरडा, बाड़ी, सहित अनेक अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। कलेक्टर द्वारा राज्य सरकार को पत्र लिखकर मुख्यमंत्री सहायता कोष से मृतकों के आश्रितों को 2 लाख एवं घायलों को 50 हजार की आर्थिक मदद दिलाने के आदेश जारी कराए हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े तथा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक्स पर ट्वीट कर दुर्घटना पर दुःखः जताया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा घटना बेहद हृदय विदारक है। मृतकों के आश्रितों को हर संभव मदद दिलाई जाएगी।

बाड़ी शहर की करीम कॉलोनी गुमट मोहल्ले से आठ मासूम बच्चों सहित12 जनाज़े एक साथ निकाले तो लोगों की रूह कांप गई। सैकड़ों की तादाद में लोगों की भीड़ जमा हो गई, हर किसी की आंखें नाम हो गईं। इस दर्दनाक हादसे में इरफान का पूरा परीवार खत्म हो गया है। वही नहनू की पत्नी सहित चार घरों के चिराग बुझे हैं।

जहाँगीरपुरी में फायरिंग में एक की मौत

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर। राजधानी दिल्ली में रविवार को एक बार फिर फायरिंग की घटना सामने आई है। दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में कई राउंड फायरिंग हुई। इस घटना में एक

- **पार्क के पास युवकों के दो गुटों में कहासुनी के बाद 10 राउंड फायरिंग हुई।**

व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हो गए हैं। बताया जा रहा है कि फायरिंग से पहले दो पक्षों में किसी बात को लेकर बहस हुई। इसके बाद दोनों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा ने महाराष्ट्र में 99 प्रत्याशी घोषित किये

नयी दिल्ली, 20 अक्टूबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के लिए 99 उम्मीदवारों की पहली सूची रविवार को जारी की।

भाजपा ने उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस को नागपुर दक्षिण पश्चिम से तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले को कामठी से उतारा है।

- **उपमुख्यमंत्री फड़नवीस को नागपुर उत्तर-पश्चिम तथा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर को कामठी से टिकट मिला।**

भाजपा के महासचिव अरुण सिंह ने यहां यह सूची जारी की, जिसे गत 16 अक्टूबर को पार्टी मुख्यालय में हुई केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक में स्वीकृति दी गयी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी और भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा की अध्यक्षता में यह बैठक हुई थी।

पहली सूची में 99 उम्मीदवारों में से 13 महिलाएं हैं, जिनमें कांग्रेस से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या बड़े घर बेटी ब्याहने का नुकसान उठा रही है राजस्थान सरकार?

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निजी मित्र व नज़दीकी, मफतलाल मेहनोत की दो कम्पनियों, शुभम लॉजिस्टिक व ऑरिगो कमोडिटीज़ को राज्य सरकार ने बड़े ही विवादित तरीके से वेयर हाउसिंग कॉरपोरेशन (भंडारण निगम) के 71 गादामों को वर्ष 2020 में दस साल के लिए संयुक्त संचालन का ठेका दिया था, परन्तु शुरु से ही यह दोनों कम्पनियाँ अनुबंधन की शर्तों को तोड़ने और एक के बाद एक विवादों में फंसी चली जा रही हैं

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर 20 अक्टूबर। राजस्थान की कृषि उपज के भंडारण का 10 वर्ष का टैंडर लेने वाली कल्पतरू समूह की कंपनी श्री शुभम लॉजिस्टिक व ऑरिगो कॉमोडिटीज़ इंडिया प्रा. लि. के करोड़ों रु. के घपले सामने आ रहे हैं। सोमवार को इन दोनों कंपनियों के साथ किये गए अनुबंध का रिव्यू किया जायेगा, क्योंकि इन दोनों कंपनियों द्वारा कई निविदा शर्तों का उल्लंघन किया जा रहा है। भंडारण निगम की बोर्ड बैठक में, कृषि व खाद्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव और राजस्थान वेयर हाऊसिंग कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक सदस्य होते हैं। उल्लेखनीय है कि करीब डेढ़ माह पहले मंत्री किरोड़ीलाल मीणा की मुख्यमंत्री को भेजी गई लिखित शिकायत के बाद

- **जैसा कि विदित है, मई के महीने में कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने मु.मंत्री को लिखित शिकायत दर्ज करायी थी, जिसमें मेहनोत की दोनों कम्पनियों को भंडारण निगम व कृषि विभाग द्वारा दिए गये ठेके का रिव्यु करने की मांग उठाई थी।**
- **राज्य सरकार ने आज सोमवार को बोर्ड की बैठक बुलायी है, ठेके की शर्तों व उनकी अनुपालना का रिव्यु करने के लिये।**
- **उल्लेखनीय है कि कृषि मंत्री करोड़ीलाल मीणा के शिकायती पत्र में यह स्पष्ट आरोप भी लगाया गया है कि इन दोनों कम्पनियों ने अनुबंधन की शर्तों का उल्लंघन करते हुए वेयर हाऊसिंग कॉरपोरेशन के गोदामों को 70 प्रतिशत तक भरने के बजाय काफी खाली रखा, जिसके कारण कॉरपोरेशन को लगभग 250 करोड़ रूपए की हानि हुई है।**
- **कृषि मंत्री का आरोप था कि दोनों कम्पनियों ने वेयर हाऊसिंग कॉरपोरशन को हानि पहुँचाई, दूसरी ओर खुद के निजी गोदामों को कृषि उपज से भरा और राज्य सरकार से करोड़ों रूपए का भुगतान भी उठाया। अब वेयर हाऊसिंग कॉरपोरेशन और दोनों कम्पनियों के बीच का विवाद ''आर्बिट्रेशन'' में लंबित है।**
- **कृषि मंत्री की शिकायत के अनुसार, दोनों कम्पनियों ने गोदामों में रखे हजारों मैट्रिक टन माल, जिसका कुल मूल्य 3900 करोड़ से भी अधिक है, का पूरा इंश्योरैंस नहीं कराया और कीटनाशक आदि छिड़काव और उपयुक्त बैंक गांरटी भी नहीं दी है।**

राजस्थान राज्य भंडारण निगम व कृषि विभाग की ओर से इन कंपनियों को दिए गए ठेके का रिव्यू किये जाने की मांग मुख्य सचिव के समक्ष उठाई गई थी। इसके चलते अब सोमवार को बोर्ड बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में दोनों कंपनियों के द्वारा की जा रही निविदा शर्तों के उल्लंघन पर विस्तृत चर्चा होगी।

दस्तावेजों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, ऑरिगो कंपनी के 23 गोदामों में करीब 1264 करोड़ रु. की खाद्य विभाग की कृषि उपज 3 अक्टूबर के बाद बिना किसी बीमा सुरक्षा के पड़ी हुई है। गोदामों का बीमा खत्म होने के बाद भी कंपनी ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। करोड़ों रुपए की यह खाद्य सामग्री आमजन में वितरित की जानी है, सवाल यह है कि ऐसे में इसका खराबा अगर होता है तो उसका जिम्मेदार कौन होगा?

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के समय 12

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जम्मू-कश्मीरः आंतकियों ने दो मजदूरों की हत्या की

जम्मू-कश्मीर, 20 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले के गगनगीर इलाके में रविवार की रात आतंकियों ने गैर-स्थानीय लोगों पर

- **सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को घेर लिया है और सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।**

हमला कर दिया। हमले में 2 मजूदरों की जान चली गई। दोनों एक सुरंग प्रोजेक्ट में काम कर रहे थे। हमले के तुरंत बाद सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेर लिया है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बोरिंग खोदते समय मिट्टी धंसने से चार मजदूर दबे, तीन को बचाया, एक की मौत

मशीन से बोरिंग खोदते समय पास में ही पुराने कुएं की मिट्टी धंसने से हादसा हुआ

गंगापुर सिटी, (निसं)। वजीरपुर उपखंड के मीना बड़ौदा गांव में शनिवार रात मशीन से बोरिंग खोदते समय पास में ही पुराने कुएं की मिट्टी धंसने से यहां काम कर रहे चार मजदूर दब गए। एक मजदूर की मिट्टी में दबने से मौत हो गई। तीन मजदूरों को सकुशल बाहर निकाल लिया गया। एक मजदूर के पैर और आंख में चोट आई है। हादसे की सूचना पर वजीरपुर पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक को वजीरपुर हॉस्पिटल लाया गया। परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमॉर्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

जानकारी के अनुसार मीणा बड़ौदा गांव में मशीन से बोरिंग की जा रही थी। साथ ही पास में ही पुराने कुएं को जेसीबी से मिट्टी डालकर भरा जा रहा था। इसी दौरान अचानक मिट्टी धंस गई, जिसके कारण यहां काम कर रहे पिंटू (31) पुत्र छुट्टन लाल मीणा निवासी परीता सहित तीन अन्य मजूदर मिट्टी में दब गए। चार मजदूरों के मिट्टी में दबने से आसपास में काफी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई।

गंगापुर सिटी में राजकीय चिकित्सालय के बाहर भीड़ जमा हो गई।

बाद में जेसीबी से खुदाई कर मिट्टी में दबे चारों लोगों को बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू शुरू किया गया। इस दौरान रात करीब साढे 12 बजे तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि पिंटू काफी देर तक मिट्टी में ही दबा रहा। जिसके कारण उसकी मौत हो गई।

मजदूर हंसराज मीणा ने बताया कि वे चार लोग बोरिंग पर काम कर रहे थे। अचानक से मिट्टी धंस गई और सभी मिट्टी में दब गए। पिंटू मीणा सबसे

- **मिट्टी में दबे चारों मजदूरों को बाहर निकालने के लिये जेसीबी से खुदाई कर रेस्क्यू शुरू किया**

नीचे दब गया था। उसको निकालने में ज्यादा समय होने से उसकी मौत हो गई। इनमें से एक मजदूर के पैर और आंख में चोट आई है। परिजन काडूराम मीणा ने बताया कि उन्हें पिंटू के मिट्टी में दबने की सूचना मिली थी। मौके पर जाकर देखा तो उसकी मौत हो गई थी। पिंटू के माता-पिता नहीं हैं और न ही उसके कोई जमीन है। पिंटू के तीन छोटी-छोटी लड़कियां हैं। वजीरपुर थाने से पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची। एएसआई संतोष शर्मा ने बताया कि कंट्रोल रूम से मीणा बड़ौदा में मिट्टी में एक व्यक्ति की दबने की सूचना मिली थी। मौके पर जाकर शव को अस्पताल में रखवाया। परिजनों की उपस्थिति में पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

ई-मेल भेजकर फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी मिली

पुलिस और सीआईएसएफ के अधिकारी मौके पर पहुंचे, एयरपोर्ट पर विमान की तलाशी ली

जोधपुर, (कास)। पुणे से जोधपुर आने वाली इंडिगो की फ्लाइट को ई-मेल भेजकर बम से उड़ाने की धमकी मिली। पुलिस और सीआईएस एफ के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। एयरपोर्ट पर विमान की तलाशी ली गई।

डीएसपी ईस्ट आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि पैसेंजर के सामान की तलाशी ली गई, इसमें अभी कोई विस्फोटक सामान नहीं मिला है। एजेंसियों को सूचना दे दी गई है। फ्लाइट को आगे रवाना करने की तैयारी की जा रही है। बम निरोधी दस्ते और डॉग स्क्वॉड को भी मौके पर बुलाया गया था।

- **'पैसेंजर के सामान की तलाशी में अभी कोई विस्फोटक सामान नहीं मिला, एजेंसियों को सूचना दी'**

जानकारी के अनुसार, एयरपोर्ट अथॉरिटी को इंडिगो की फ्लाइट 6133 को बम से उड़ाने का ई-मेल आया था। इसके बाद एयरपोर्ट अथॉरिटी ने एयरपोर्ट थाने को सूचना दी। बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सीआईएस एफ के जवान भी मौके पर पहुंचे। जानकारी के अनुसार, फ्लाइट में 100 से ज्यादा यात्री सवार थे। इसकी सूचना मिलने के बाद तुरंत ही फ्लाइट को आइसोलेशन-वे में लैंड करवाया गया। धमकी मिलने के बाद एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी का माहौल हो गया। यात्रियों के सामान की भी तलाशी ली गई। यह फ्लाइट पुणे से सुबह 11:50 पर रवाना हुई थी। दोपहर 1:07 पर जोधपुर एयरपोर्ट पर लैंड हुई थी। इसी बीच एयरपोर्ट प्रशासन को फ्लाइट में बम होने की सूचना मिली। इससे पहले किशनगढ़ एयरपोर्ट पर 19 अक्टूबर को स्टार एयरलाइंस के विमान में बम की सूचना मिली थी।

अजमेर में मिठाई की दुकान पर छापा, 200 किलो खराब मिठाई जब्त

खाद्य विभाग की टीम को मिठाई की दुकान में चासनी में कीड़े, मकड़ी, कॉकरोच रेंगते मिले

खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने मिठाई की दुकान से सैंपल लिये।

अजमेर, (कासं)। शहर में दिवाली के मौके पर मिलावटी मिठाई बेचे जाने से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। अधिकारियों ने शहर की सुप्रसिद्ध मिठाई की दुकान मूलचंद बुद्धामल हलवाई के यहां छापेमारी की और 200 किलोग्राम अंगूरी पेठा, काजू कतली, गुलाब जामुन सहित अन्य खराब मिठाई को जब्त कर नष्ट करवाया गया। वहीं कुछ मिठाइयों के सैंपल्स को टेस्ट के लिए भी भेजा गया है। यहां तक की अंगूरी मिठाई के चासनी में कीड़े तैरते हुए मिले।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुशील कुमार चोटवानी ने बताया कि दीपावली के त्यौहार पर बाजार में मिलावटी खोवा व केमिकल से बनी मिठाईयों का जोर रहता है। अभिहित अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ज्योत्सना रंगा के निर्देश पर मिलावटी मिठाइयों पर रोकथाम के उद्देश्य से रविवार को पुरानी मंडी स्थित शहर की जानी-मानी मूलचंद बुद्धामल हलवाई की दुकान पर छापा मारा। मिठाई की

- **खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने मिठाई की दुकान मूलचंद बुद्धामल हलवाई के यहां छापा मारा**

दुकानों में रखी मिठाईयों के नमूने लिए। जहां आम जनता को बेचने के लिए तैयार किए गए गुलाब जामुन, अंगूरी पेठा एवं चासनी को खुले में बिना ढके रखा हुआ था जिसमें मक्खियां, मकड़ी, मच्छर, छोटे-छोटे कॉकरोच आदि तैर रहे थे। काजूकतली, लड्डू एवं कचौरी पुराने एवं खराब हो चुके थे। सभी मिठाइयों आदि को एकत्रित कर नष्ट करवाया गया, सोहन हलवा, मक्खन बड़ा एवं अन्य मिठाइयां तैयार करने में उपयोग में लिए जा रहे घी की गुणवत्ता में कमी का अंदेशा होने पर घी का नमूना लेकर प्रोपराइटर अमित गुप्ता को शेष बचे लगभग 45 किलो घी को उपयोग में नहीं लेने हेतु पाबंद किया गया।

डॉ. ज्योत्सना रंगा ने बताया कि मौके से सोहन हलवा एवं मक्खन बड़ा के सैंपल भी लिए गए। नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड एक्ट में कार्यवाही की जाएगी। परिसर में छोटी सी पुरानी जगह पर अत्यधिक गंदगी में अनहाइजीनिक तरीके से मिठाइयां तैयार की जा रही थीं। कारखाने में कार्य कर रहे स्टाफ का मेडिकल फिटनेस एवं पेस्ट कंट्रोल भी नहीं करवाए गए थे। टीम ने सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने हेतु निर्देशित किया है। फर्म को एक्ट की धारा 32 में इंप्रूवमेंट नोटिस जारी कर नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। उन्हें मिलावटी मिठाई न बैंचने की हिदायत देते हुए कहा कि दुकानों पर पर्याप्त सफाई रखे व उन्हें खुले में न रखें। अधिकारियों ने कहा कि आने वाले दिनों में ऐसे और भी छापे मारे जाएंगे ताकि लोगों को मिलावटी मिठाइयों को खाने से बचाया जा सके। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुशील चोटवानी, अजय मोयल एवं सहायक राजकुमार इंदौरिया शामिल रहे।

महर्षि दयानंद सरस्वती की शिक्षाओं पर चलकर हम अपना जीवन सफल कर सकते हैं : पूनिया

अजमेर में आयोजित "ऋषि मेला" समारोह में राजस्थान भाजपा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने शिरकत की

अजमेर/जयपुर। महान समाज सुधारक महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती के अवसर पर परोपकारिणी सभा, अजमेर द्वारा आयोजित "ऋषि मेला" समारोह में भाजपा हरियाणा संगठन प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां शामिल हुए, जहां उन्होंने संतों का आशीर्वाद लिया।

ऋषि मेला संत समागम में संत स्वामी ओमानंद सरस्वती ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में सतीश पूनियां के अद्भुत पुरुषार्थ और परिश्रम के कारण हरियाणा में जो इतिहास में पहली बार हुआ, तीसरी बार हरियाणा में भाजपा की सरकार लगातार बनी है, जो आज तक किसी पार्टी की नहीं बनी थी, उस महान उपलब्धि को प्राप्त करने में सतीश पूनियां का बड़ा योगदान रहा है। राजस्थान से लेकर हरियाणा तक एक-एक गांव के कार्यकर्ता से सतीश पूनिया जुड़े हुए हैं, भाजपा केंद्रीय नेतृत्व के निर्देशन में कार्यकर्ताओं और सतीश पूनिया के पुरुषार्थ के कारण राजस्थान से लेकर हरियाणा तक भाजपा की सरकार बनी।

परोपकारिणी सभा की ओर से ऋषि उद्यान में आयोजित समारोह में स्वामी ओमानंद सरस्वती एवं स्वामी सच्चिदानंद सरस्वती सहित कई वैदिक संत विद्वानों ने संबोधित कर महान समाज सुधारक महर्षि दयानंद के दिखाए मार्ग पर चलने का आव्हान कर राष्ट्र की उन्नित के लिए कार्य करने

डॉ. सतीश पूनिया का संतों, परोपकारिणी सभा के प्रधान ओम मुनि, मंत्री कन्हैयालाल आर्य, उपप्रधान जयसिंह गहलोत और अन्य पदाधिकारियों ने स्वागत किया।

की अपील की।

डॉ. सतीश पूनियां ने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती ने हमें अनेक बड़ी सामाजिक कुरीतियों से मुक्त कराया, सामाजिक उत्थान और जन जागरण में उनका महत्वपूर्ण योगदान था, उनकी शिक्षाओं पर चल कर हम अपना जीवन सफल कर सकते हैं, महर्षि दयानंद सरस्वती ऐसे महापुरुष हैं, जिनसे वे सर्वाधिक प्रभावित हैं, उनकी शिक्षा सदैव नई पीढ़ी के लिए अनुकरणीय है।

पूनियां ने कहा कि, मैं समाज का ही हिस्सा हूं, जीवन में पढ़ाई करते करते हुए परिवार से संगठन से संस्कार लेते हुए जिन महापुरुषों ने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया वह गुरु गोविंद सिंह और महर्षि दयानंद सरस्वती हैं, इन दोनों महापुरुषों के विचारों में साम्यता थी, एक ओज था, प्रतिकूल परिस्थितियों में इन महापुरुषों ने जो देश में जन जागरण की अलख जगाई थी वह अद्भुत थी।

पूनियां ने कहा किपूरी दुनिया में कोरोना से लड़ाई होती है तो आरोग्य के लिए वेद ही दिखते हैं, नाशा भी कोई रिसर्च करता है तो उसका आधार वेद ही होते हैं, आर्य कोई छोटी पहचान नहीं है, इस देश को इस विश्व को श्रेष्ठ बनने के लिए संस्कृति की तरफ लौटने का, पुनर्जीवित करने का कोई आधार है, जिस पर केवल भारत ही नहीं पूरी दुनिया खड़ी होगी, उस आधार का नाम वेद होगा, वैदिक संस्कृति होगी। संतों, परोपकारिणी सभा के प्रधान ओम मुनि, मंत्री कन्हैयालाल आर्य, उपप्रधान जयसिंह गहलोत और अन्यपदाधिकारियों ने सतीश पूनियां का स्मृति चिह्न और शॉल भेंट कर स्वागत किया।

जोधपुर व्यवसाई को हाईकोर्ट से राहत मिली

जोधपुर, (कास)। राजस्थान उच्च न्यायालय ने राजस्थान में खरीद बिक्री लेनदेन पर महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर पुलिस थाने में दर्ज प्रथम सूचना रपट पर प्रार्थी के खिलाफ किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी है। न्यायाधीश अरुण मोंगा ने महाराष्ट्र सरकार और अन्य को नोटिस जारी करते हुए पुलिस को यह भी हिदायत दी कि इस दौरान प्रार्थी से वीडियो कांफ्रेंसिंग या व्हाट्सएप अथवा जूम या गुगल के जरिए अन्वेषण कार्रवाई की जा सकती है।

जोधपुर निवासी प्रवीण शैली ने अधिवक्ता अनिल भंसाली के माध्यम से आपराधिक रिट याचिका दायर कर कहा कि श्याम अग्रवाल ने राजस्थान में स्थित श्री वल्लभ पित्ती साउथ वेस्ट इंडस्ट्रीज के निदेशक शैली के खिलाफ महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर पुलिस थाने में गत 27 सितम्बर को यह कहकर प्रथम सूचना रपट दर्ज कराई कि उन्होंने इंडस्ट्रीज को वर्ष 2018 से 2021 तक करोड़ों रुपए की रुई की गांठें भिजवाई थी और अभी भी एक करोड़ रुपए से अधिक बकाया है। अधिवक्ता भंसाली ने बहस करते हुए कहा कि समस्त व्यावसायिक कार्रवाई राजस्थान राज्य में होने के बावजूद अन्य राज्य महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर पुलिस थाने को क्षेत्राधिकार नहीं होने के बावजूद महज व्यावसायिक लेनदेन के दीवानी मामले में अग्रवाल के महाराष्ट्र निवासी होने से एफआईआर दर्ज कर कानून की घोर अवहेलना की है। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्रीज का सालवेंसी प्रकरण राष्ट्रीय कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल में चल रहा है सो प्रथम सूचना रपट दर्ज किया जाना कानून के साथ मजाक है। उन्होंने कहा कि प्रार्थी 77 वर्षीय कैंसर पीड़ित हैं और उनके खिलाफ तो व्यक्तिगत तौर पर किसी प्रकार का कोई भी मामला नहीं बनता है।

मंदिर परिसर में वृद्ध व्यक्ति की लाश मिली

मृतक की पत्नी दो पुत्र के साथ आमलीखेड़ा में निवास कर रही थी

सूचना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई।

भीलवाड़ा, (निसं)। आसींद थाने के अंतर्गत नेगड़िया रोड पर स्थित श्री देवनारायण सगसजी महाराज मंदिर परिसर में एक वृद्ध व्यक्ति की लाश मिली, जिसकी सूचना रविवार सुबह पुलिस को मिली। पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के ग्रामीणों के सहयोग से शव की शिनाख्त खातोला निवासी नगजीराम भील (55) वर्ष के रूप में की। वहीं शव 5 से 6 दिन पुराना होने के कारण पुलिस ने बताया कि मृतक के दोनों पुत्र राजू भील एवं कन्यालाल भील की रिपोर्ट के आधार मेडिकल बोर्ड की टीम द्वारा पर शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है।

मृतक की पत्नी बाली देवी भील ने बताया कि लगभग 10 वर्षों से उनके पति परिवार के साथ नहीं रहते थे। वहीं दोनों पुत्र के साथ वह ननिहाल आमलीखेड़ा में निवास कर रही थी। ग्रामीणों ने बताया कि श्री देवनारायण सगसजी महाराज मंदिर आसींद से मात्र दो किलोमीटर दूर है। यहां पर हर रविवार भक्तगण आते हैं। बाकी यह मंदिर बंद रहता है। इस कारण लोगों को पता नहीं चला। वहीं आज सुबह दुर्गंध आने के कारण पुलिस को सूचना दी गई।

सूने मकान से लाखों का सामान व जेवर चोरी

अजमेर, (कासं)। क्रिश्चयगनंज थाना क्षेत्र के एक सूने मकान में चोरी की वारदात सामने आई है। चोर यहां से 80 हजार नकदी व जेवरात ले गए। चुराए गए सामान की कीमत करीब सवा चार लाख रुपए है। चोर यहां लगे सीसीटीवी के डीवीआर को भी ले गए। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बीके कोल नगर हनुमान विहार अजमेर निवासी सुरेन्द्र सिंह रावत ने

- **चोर सीसीटीवी के डीवीआर को भी ले गए, पुलिस जांच में जुटी**

बताया कि वह श्री सीमेन्ट रास में कार्य करता हैं। उसके माता-पिता दोनों घूमने बाहर गए हुए थे। घर पर कोई नहीं था। जब बाद में वे लौटे तो चोरी का पता चला। चोर मकान का बाहर का दरवाजा ताला तोड़कर घर में घुसे और एक कमरे का अन्दर के दरवाजे का ताला तोड़ा। चार कमरों में से तीन कमरों की आलमारियों का ताला तोड़ा। चोर यहां से 80 हजार नकद, सोने के दो बिस्कुट कुल 3 ग्राम, सोने का मादलिया 3 ग्राम, सोने की अंगूठी 5 ग्राम, सोने के टोप्स 2 ग्राम, चांदी के 25 सिक्के, चांदी का नारियल 100 ग्राम, सिल्वर मेडल बैंक ऑफ बड़ौदा, चांदी की पायल 7 नग और सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर ले गए। चोरी हुए सामान की कीमत करीब सवा चार लाख रुपए है।

अजमेर नगर निगम ने अवैध अतिक्रमण पर पीला पंजा चलाया

नगर निगम द्वारा पूर्व में 30 दुकानदारों को नोटिस दिया गया था

अजमेर, (कासं)। अजमेर नगर निगम द्वारा रविवार को कचहरी रोड पर नाले पर अवैध अतिक्रमण बने कब्जे को अतिक्रमण मानते हुए हटाने की कार्रवाई की। निगम अधिकारियों ने स्मार्ट सिटी अजमेर की कचहरी रोड की राह आसान कर दी। निगम के दस्ते ने कचहरी रोड नाले पर किए गए अतिक्रमण पर जेसीबी का पीला पंजा चलाकर अतिक्रमणों को ध्वस्त किया। नगर निगम द्वारा पूर्व में 30 दुकानदारों को नोटिस दिया गया था। निगम की इस कार्यवाही के दौरान मौके पर भारी पुलिस बल के साथ निगम अधिकारी और उनकी टीम मौजूद रही। इस कार्रवाई में नगर निगम के आयुक्त समेत अधिकारी और पुलिस का जाब्ता मौके पर मौजूद रहा, हालांकि अतिक्रमण की कार्रवाई में किसी भी अतिकर्मी की ओर से कोई विरोध नहीं किया गया।

नगर निगम के अतिक्रमण प्रभारी धर्मेन्द्र आनंद ने बताया कि निगम द्वारा रविवार को सुबह कहचरी रोड पर बनने वाले नाले की जद में आ रहे अतिक्रमणों को हटाने और सड़क को चौड़ा करने के लिए यह कार्रवाई की

अजमेर के कचहरी रोड से जेबीसी से अतिक्रमण हटाये।

गई है। कचहरी रोड़ पर ब्रह्मपुरी से लेकर गांधी भवन तक बनने वाले नाले के निर्माण में कई अतिक्रमण बाधा बने हुए थे, इन अतिक्रमणों के कारण अब तक नाले का काम पूरा नहीं हो सका। वहीं अतिक्रमण के कारण आमजन को इस रास्ते पर भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।

नगर निगम के जेईएन रमेश चौधरी ने बताया कि कचहरी रोड पर नाले के निर्माण का कार्य जारी है, लेकिन वर्षों से नाले को पाटकर अतिक्रमण कर बैठे दुकानदारों के कारण निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही थी, वहीं आमजन को भी परेशानी

- **कार्रवाई के दौरान पुलिस बल के साथ निगम अधिकारी और टीम मौजूद रही**

का सामना करना पड़ रहा था। कचहरी रोड पर आए दिन जाम लग रहा था। चौधरी ने बताया कि निगम टीम द्वारा दुकानदारों को पूर्व में नोटिस दिए गए थे और रविवार को अतिक्रमण हटाने के लिए पुलिस जाब्ते, जेसीबी के साथ मौके पहुंचकर अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की गई।

नाले पर से अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए नगर निगम टीम बुलडोजर और पुलिस जाब्ते के साथ रविवार सुबह पहुंची। इस दौरान दो दर्जन से अधिक अतिक्रमण हटाए। इससे एक तरफ जहां नाला बनाने में आड़े आ रही बाधाएं हट गई वहीं लोगों की राह भी आसान हो गई। अब जल्द ही नाला बन जाने के बाद लोगों को राहत मिलेगी। मौके पर भारी पुलिस जाब्ता देखकर अतिक्रमणकारियों ने कोई विरोध नहीं किया।

सार-समाचार

डेढ़ क्विंटल मावे को किया सीज

बून्दी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व चिकित्सा मंत्री राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार दीपावली त्यौहार पर प्रत्येक नागरिक को शुद्ध खाद्य सामठी की उपलब्धता के लिए राज्य सरकार द्वारा चलाए गए अभियान शुद्ध आहार मिलावट पर वार के तहत बूंदी जिले में लगातार अभियान चला कर निरीक्षण व नमूनीकरण की कार्यवाही की जा रही है । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ओ.पी सामर ने बताया कि जिला प्रबंधन समिति के निर्देशन में संपूर्ण जिले में शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके तहत विभिन्न खाद्य पदार्थों के 40 नमूने लिए जा चुके है। जिनमें मिल्क के 6, मावे के 6, मिल्क प्रोडक्ट व स्वीट्स के 3, घी व तेल के 12, पनीर के 2, मसाले के 7, अन्य 4 सहित कुल 40 नमूने शामिल हैं।सीएमएचओ ऑ सामर ने बताया कि रविवार को निरीक्षण दल द्वारा माटुंदा रोड स्थित डेयरी का निरीक्षण कर डीपफ्रीज में रखे हुए डेढ़ क्विंटल मावे को मिलावट का शक होने पर एफएसएसएआई एक्ट के तहत जांच हेतु नमूना लिया गया। मावे का नमूना लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भिजवाया गया हैं, जहां से नमूने की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने तक डेढ़ किवंटल मावे को डीपफ्रीज में ही सीज किया गया।

'खुद शिकार करना सीख रही है बेटियां'

बूंदी। रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में पहली बाघिन से जीवित बची दोनों मादा शावक अब युवा होकर खुद शिकार करना सीख रही है। वन्यजीवों के जानकारों के अनुसार करीब दो साल तक बाघिन अपने बच्चों को शिकार व सुरक्षा के सभी गुण सीखा देती है तथा डेढ़ दो साल बाद बच्चों को खुद से अलग कर देती है। बाघिन की मौत से पूर्व ही एक शावक अपनी मां से अलग होकर रहने लगी थी जो अब शिकार भी कर लेती है। इसी प्रकार दूसरी मादा शावक भी चीतल आदि का शिकार करने लगी है जो अच्छी बात है। वन विभाग भी इनकी मोनिटरिंग में अब कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहा है तथा इनके इलाकों में 40 कैमरे लगाकर निगरानी रखे हुए हैं। टाइगर रिजर्व (कोर) के उपवन संरक्षक संजीव शर्मा खुद अपनी टीम के साथ ट्रेकिंग पर नजर बनाए हुए है।

सम्पन्न हुई नेशनल टेलेन्ट हंट परीक्षा

छीपाबड़ौद । राष्ट्रीय स्तर की आकाश नेशनल टेलेंट हंट परीक्षा स्थानीय सेवा भारती उच्च माध्यमिक विद्यालय में सम्पन्न हुई।जिसमें छीपाबड़ौद के विभिन्न स्कूलों के 200 विद्यार्थियों ने भाग लिया। आकाश कोचिंग के डायरेक्टर अकलेश जी दीक्षित जी के अनुसार इस परीक्षा में चयनित विद्यार्थियों को आकाश कोचिंग की तरफ से स्कोलरशिप दी जाती है जिससे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हेतु लाभ प्राप्त होता है। यह परीक्षा सम्पूर्ण भारत में आयोजित की जाती हैं। आज सम्पूर्ण भारत में लगभग 20 लाख विद्यार्थियों ने यह परीक्षा दी। परीक्षा केंद्र प्रभारी शहाबुद्दीन जी तथा मधुर जी बताया इस परीक्षा को सम्पन्न कराने में विद्यालय के डायरेक्टर गिरीश अजमेरा, अरविन्द नागर, संजय प्रजापति, विजय चौरसिया, नन्दनी गर्ग, अनीसा परवीन का विशेष सहयोग रहा।

पुलिस ने कस्बे में निकाली बिंदोरी

अंता । नेशनल हाईवे 27 पर डेरू माताजी के बाहर पिस्टल दिखाकर ओमप्रकाश गोचर बमूलिया कलां निवासी के साथ लड़ाई झगड़ा करने के आरोपी युसूफ पुत्र मोहम्मद जहूर उम्र 48 वर्ष निवासी भूरा कुंआ अंता की अंता पुलिस द्वारा कस्बे में मुख्य मार्ग से होकर भारी पुलिस जाप्ता के साथ रविवार को बिंदोरी निकाली गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार अंता थानाधिकारी दिग्विजय सिंह गुर्जर के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा आरोपी को शनिवार को बड़वा रोड से गिरफ्तार किया गया था। उसके कब्जे से एक अवैध पिस्टल लोहा व दो जिन्दा कारतूस सहित एक स्विफ्ट कार को जप्त कर आर्म्स एक्ट मामला दर्ज किया गया था। अंता पुलिस ने गिरफ्तार युसूफ को थाने से सरदार वल्लभ भाई पटेल स्टेडियम से होकर कस्बे के मुख्य मार्ग पर पैदल यात्रा निकाली गई।

वृद्धाश्रम में दीपावली उपहार किए भेंट

बूंदी। आसरा वृद्ध आश्रम को वर्ष पर्यंत अपनी सेवाएं देने के अपने संकल्प के साथ इनर व्हील मेंबर्स वृद्ध आश्रम पहुंचे और दीपावली के मौके पर वृद्धाश्रम के आवासियों को दीपावली उपहार भेंट किए।गौरतलब हैं कि कुछ दिन पूर्व हेल्थ चेकअप के दौरान वृद्ध माताओं के फटे ओढ़नों से द्रवित होकर क्लब अध्यक्ष डॉ पूर्णिमा दीक्षित ने एग्जीक्यूटिव मीटिंग में वृद्धाश्रम के सभी आवासियों को वस्त्र भेंटकर दीपावली मनाने का प्रस्ताव रखा था।इस मौके पर दीपावली उपहार में महिलाओं को ओढ़ने लहंगा चोली तथा पुरुषों को साफी सेट और बिस्किट फल आदि भेंट किये गये। इस पुनीत कार्य के साक्षी बने पूर्व वित्त मंत्री हरिमोहन शर्मा, अध्यक्ष पूर्णिमा दीक्षित, रेखा शर्मा, सरोज वर्मा, आशा अठावाल, आशा माथुर, प्रतिमा पांडे, मनीष गौतम, विशाल, छुट्टन लाल मौजूद रहे।

जिला सभा अध्यक्ष बने राधेश्याम

रामगंजमंडी(निसं)। राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) जिला कोटा के रविवार को वार्षिक चुनाव हुऐ संपन्न।राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) जिला कोटा के वार्षिक चुनाव अधिकारी पूरणमल नागर की देखरेख में राजकीय प्राथमिक विद्यालय अजय आहूजा नगर कोटा में संपन्न हुए।रामगंजमंडी उप शाखा अध्यक्ष बनवारी लाल बैरवा और मंत्री रामकुमार शर्मा ने बताया कि जिले के सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन संपन्न हुए।जिसमें उप शाखा रामगंजमंडी के चार पदाधिकारी निर्विरोध निर्वाचित हुए।जिला कार्यकारिणी में रामगंजमंडी उप शाखा से जिला सभा अध्यक्ष पद पर राधेश्याम अहीर जिला उपाध्यक्ष (पुरुष) पद पर बनवारी यादव जिला वरिष्ठ अध्यापक प्रतिनिधि पद पर मांगीलाल महावर एवं जिला पंचायत समिति शिक्षक प्रतिनिधि पद पर प्रदीप कुमार शर्मा निर्वाचित हुए।उप शाखा रामगंजमंडी के सभी संगठन के पदाधिकारी कोषाध्यक्ष रूपचंद वर्मा उपसभा अध्यक्ष दिनेश कुमार गुप्ता जिला महा समिति के सदस्य रमेश गोचर उम्मेद कुमार राजेंद्र कुमार बृजमोहन लुहार मुरली मनोहर शर्मा कमलेश कुमार गुप्ता लोकेश कुमार शर्मा दुर्गा लाल अहीर अशोक कुमार गुप्ता हंसराज मीणा भरत राज गोयम रमेश गौड़ नंद किशोर शर्मा अनिल हर्षवर्धन राजनवाल ललित शाक्यवाल एवं संघ के सभी पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त किया और बधाई दी।

राष्ट्रीय दशहरा मेला में विकसित भारत मल्टी मीडिया प्रदर्शनी का शुभारंभ

कोटा, (निसं)। 131वां राष्ट्रीय दशहरा मेला-2024 में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केन्द्रीय संचार ब्यूरो क्षेत्रीय कार्यालय कोटा द्वारा 23 अक्टूबर 2024 तक लगाई जा रही विकसित भारत 2047/मल्टी मीडिया प्रदर्शनी का रविवार को कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा, कोटा जिला प्रमुख मुकेश मेधवाल एवं मेला समिति अध्यक्ष विवेक राजवंशी तथा केन्द्रीय संचार ब्यूरो के सहायक निदेशक रामेश्वर लाल मीना ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्जवलित कर उदघाटन किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कोटा दक्षिण के विधायक संदीप शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्ष 2047 तक भारत को विकसित बनाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए जरूरी है कि सरकार की योजनाओं की जानकारी गाँव-गाँव तक पहुंचे और आमजन उनका लाभ ले। उन्होंने कहा की भारत देश हमारे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हर क्षेत्र में उन्नती की ओर अग्रसर हो रहा हैं। उदघाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए जिला प्रमुख मुकेश मेघवाल ने कहा कि समाज के अन्तिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को आमजनता तक पहुँचाने मे यह प्रदर्शनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार न सिर्फ अपने देशवासियों के सर्वांगीण

कोटा में विकसित भारत मल्टीमीडिया प्रदर्शनी लगाई गई है

- प्रदर्शनी का विधायक, जिला प्रमुख, मेला समिति अध्यक्ष ने किया उद्घाटन

कल्याण के लिए प्रयासरत हैं वरन् सही मायने में वैश्विक एकता व कल्याण की दिशा में भी प्रयासरत हैं। इस अवसर पर मेला समिति के अध्यक्ष विवेक राजवंशी ने कहा की सरकार की योजनाएँ एवं कार्यक्रम तभी सफल हो सकते है, जब इनमें जनता की सहभागिता हो। उन्होंने उपस्थित युवाओं को प्रदर्शनी के माध्यम से दी जा रही जानकारी से लाभ लेने कि अपील करते हुए कहा की आमजन तक सरकार की योजनाओं को पहुंचाने में अपनी भागीदारी निभाऐ। उन्होने कहा की इस पहली वार मेला अनेक अभिनव प्रयोग किए हैं पहले सरकारी विभागों की प्रदर्शनी नही लगती थी इस बार अनेक विभागों ने अपनी-अपनी प्रर्दशनी लगाई है। उन्होने युवाओ से कहा की इस प्रदर्शनी में उपलब्ध जानकारियों को न सिर्फ देखे, बल्कि इनसे सीखे भी। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियो का स्वागत करते हुए केन्द्रीय संचार ब्यूरो, कोटा के सहायक निदेशक रामेश्वर लाल मीणा ने केन्द सरकार सरकार की विभिन्न लोक-कल्याणकारी योजनाओं पर केंद्रित इस प्रदर्शनी में विभिन्न अत्याधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है। प्रदर्शनी में दर्शकों को मनोरंजक और आकर्षक ढंग से विभिन्न योजनाओं की जानकारी देकर और भविष्य के प्रौद्योगिकी सम्पन्न भारत के दर्शन कराये जा रहे हैं। उन्होंने बताया की मल्टीमीडिया प्रदर्शनी में महिला सशक्तिकरण, आयुष्मान भारत, भारतीय जनऔषधि परियोजना, स्वच्छ भारत मिशन, फिट इंडिया, किसान और कृषि से सम्बन्धित योजनाएं, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं पोषण, गतिशक्ति योजना, जल जीवन मिशन, मिशन लाईफ, प्रधानमंत्री की राजस्थान को सौगात एवं अनेक गरीब कल्याण योजनाओ सहित अनेक केंद्र सरकार की योजनाओं को दर्शाया गया है। प्रदर्शनी के उदघाटन के अवसर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को अतिथियों के हाथों पुरस्कार देकर सम्मानित किया। यह प्रदर्शनी 20 से 23 अक्टुबर 2024 तक सुबह से देर रात तक आम नागरिकों के लिए नि:शुल्क खुली रहेगी।

छात्रा का हाथ तोड़ने का आरोप

कोटा, (निसं)। रामगंजमंडी में समस्या समाधान शिविर में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के सामने एक बच्ची ने अपने टीचर पर उसका हाथ तोड़ने का आरोप लगाया है। परिजनों ने भी शिक्षक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि शिक्षक ने छात्रा को स्कूल में दरी पट्टी बिछाने के लिए कहा था। इसमें देरी होने पर शिक्षक नाराज हो गया और उसने डंडे से पिटाई कर दी। जिसके चलते उसका हाथ टूट गया है। इस मामले में शिक्षा एवं पंचायतराज मंत्री मदन दिलावर ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को कार्रवाई के लिए निर्देशित किया है। साथ ही शिक्षक के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज करने की हिदायत पुलिस को दी है। जिसके बाद मुकदमा भी दर्ज हो गया है। मोड़क थाना अधिकारी योगेश कुमार ने बताया कि जुल्मी में हुई मंत्री मदन दिलावर की जनसुनवाई में एक परिवादी पहुंचा था। इस मामले में शिक्षक अब्दुल अजीज के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। साथ ही मामले की जांच भी शुरू कर दी गई है।मामले के अनुसार जुल्मी इलाके के तेलियाखेड़ी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 5 में पढ़ने वाली 10 वर्षीय बच्ची के साथ यह घटनाक्रम हुआ है। बच्ची के पिता राधेश्याम ने आरोप लगाया है कि शिक्षक अब्दुल अजीज ने स्कूल में दरी पट्टी ठीक करने के लिए कहा था। जैसे ही टीचर ने दरी पट्टी ठीक करने के लिए कहा वह इसे दुरुस्त कर रही थी लेकिन शिक्षक आग बबूला हो गया और बोला कि तू मेरी बात नहीं मानती और डंडा लेकर उस मासूम पर मारने लग गया। मारते-मारते उसका हाथ तोड़ दिया।

समान पात्रता परीक्षा-2024 22 से 24 अक्टूबर तक

बूंदी। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड जयपुर की ओर से आयोजित समान पात्रता परीक्षा-2024 (सीनियर सैकण्डरी स्तर) 22 से 24 अक्टूबर तक छ: चरणों में प्रथम पारी प्रात: 9 बजे से दोपहर 12 बजे तथा द्वितीय पारी अपराह्न 3 से सायं 6 बजे आयोजित होगी। परीक्षा में जिला मुख्यालय पर 17 केंद्रों पर 5932 परीक्षार्थी प्रति पारी भाग लेंगे। परीक्षा के लिए 11 सरकारी एवं 06 निजी परीक्षा केन्द्र निर्धारित किए गए है।

परीक्षा समन्वयक अतिरिक्त जिला कलक्टर सुदर्शन सिंह तोमर ने बताया कि परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए प्रत्येक राजकीय केन्द्र पर एक केंद्र पर्यवेक्षक व निजी परीक्षा केन्द्र पर 2 केन्द्र पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए है। परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा के दौरान निरीक्षण के लिए 3 फ्लाईंग स्क्वायड दल बनाए गए है तथा प्रत्येक परीक्षा

- परीक्षा आयोजन की तैयारियों के संबंध में जिला कलक्टर ने आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं

केन्द्र पर सुरक्षा की दृष्टि से पर्याप्त पुलिस बल की नियुक्ति की गई हैं। प्रत्येक केंद्र पर वीडियोठाफी की व्यवस्था की गई है।परीक्षा आयोजन की तैयारियों की ली बैठक परीक्षा की तैयारियों के संबंध में केन्द्राधीक्षक, सहायक केन्द्राधीक्षक, उप समन्वयक व पर्यवेक्षकों की आमुखीकरण बैठक लेकर अतिरिक्त जिला कलक्टर ने आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने बताया कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड जयपुर के निर्देशानुसार परीक्षा केन्द्र में परीक्षार्थी अपने साथ ई- प्रवेश पत्र, स्वयं का नवीनतम फोटोठाफ (जो एक माह से अधिक पुराना ना हो) एवं मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र लेकर प्रवेश कर सकते है। उन्होंने बताया कि प्रोविजनल ई-प्रवेश पत्र बोर्ड की वेबसाइट पर जारी कर दिए गए है। परीक्षार्थी को उत्तर लिखने के लिए नीली स्याही का पारदर्शी बॉल पेन परीक्षा केन्द्र में लाने की अनुमति है। इस अनुमत सामठी के अलावा किसी अन्य सामठी के साथ परीक्षार्थी केंद्र पर प्रवेश नहीं होगा। परीक्षार्थी को परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश परीक्षा प्रारम्भ होने के 01 घण्टे पूर्व तक ही होगा। परीक्षार्थी कर्मचारी चयन बोर्ड के निर्देशानुसार ड्रेस कोड की अनिवार्यत: पालना करेंगे।नियंत्रण कक्ष स्थापितपरीक्षा आयोजन के लिए जिला स्तर पर जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय के कमरा नंबर 34 में नियंत्रण में कक्ष स्थापित किया गया है।

नर्सिंग अधीक्षक का किया सम्मान

कोटा, (निसं)। मॉर्निंग क्लब शिवाजी पार्क के अध्यक्ष धर्मेंद्र दीक्षित ने बताया कि मॉर्निंग क्लब के संरक्षक, सुधा मेडिकल कॉलेज अस्पताल के नर्सिंग अधीक्षक ओम खजोतिया वाल्मीकि महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनने पर उन्हें सभी सदस्यों ने माला अर्पण किया और प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत सम्मान किया और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। ओम खाजोतिया ने बताया कि छात्र जीवन से में समाज का दायित्व लेकर सेवा कार्य कर रहा हूं और आज वाल्मीकि समाज का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनने पर वाल्मीकि समाज सहित संपूर्ण हिंदू समाज का सेवा कार्य करता रहूंगा। इस अवसर पर पूनम मेवाड़ा, महावीर वर्मा, महावीर जैन, डीके मीणा, राजेश वर्मा, धर्मेंद्र अग्रवाल, डॉक्टर योगेंद्र कहार, मोइन खान, इकबाल, विष्णु पंकज, ओपी मेहरा, सुरेश वर्मा जेपी प्रजापति, पप्पू मीणा, इकबाल, विजेंद्र वैष्णव आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे

पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन

कोटा, (निसं)। टीम जीवनदाता की प्रेरणा से पुण्यतिथि जन्मदिन व अन्य अवसरों पर रक्तदान करने का सिलसिला निरंतर जारी है। ऐसे में टीम जीवनदाता की प्रेरणा व सहयोग से स्व.हेमलता प्रजापति की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। उनके पुत्र एवं रक्तदान शिविर संयोजक धीरज कुमार ने बताया कि इस अवसर पर 20 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया।

इस दौरान परिवार के लोगों ने बढ़-चढ़कर रक्तदान किया। लायंस क्लब कोटा टेक्नो के ब्लड डोनेशन चेयरमैन भुवनेश गुप्ता ने बताया कि स्व.हेमलता प्रजापति की बड़ी पुत्री भाग्यश्री, छोटी पुत्री लीनाश्री एवं लीनाश्री के पति अभिषेक पंचाल ने भी रक्तदान कर सेवा कार्य किया। धीरज कुमार ने बताया कि अब निरंतर रक्तदान के क्षेत्र में लोगों को जोड़ते

- सेवा संकल्प के रूप में मनाई पुण्यतिथि, टीम जीवन दाता का रहा सहयोग

हुए सेवा कार्य किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि उनकी मां हेमलता प्रजापति नर्स थी और उनके मन में सेवा का भाव बेहद अधिक था। वह गायत्री परिवार से जुड़कर धार्मिक कार्य भी करती थी।

उन्हीं के पदचिन्हों पर चलकर अब निरंतर सेवा के क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर सौरभ लोढा, सुमित कुमार, पुष्पेंद्र अशोक लोढ़ा, विद्यानंद, नंदलाल ने प्रमुख रूप से रक्तदान किया और रक्तदान शिविर में सहयोग किया। रक्तदान शिविर में लायंस क्लब कोटा टेक्नो का भी सहयोग रहा।

पुनर्विकास कार्य ले रहा तेजी से आकार

कोटा, (निसं)। देश भर के रेलवे स्टेशनों को पुनर्विकसित करके भव्य और विश्व स्तरीय बनाया जा रहा है। पश्चिम मध्य रेलवे राजस्थान प्रदेश के कोटा रेलवे स्टेशन को पुनर्विकसित करने का कार्य डीआरएम मनीष तिवारी के नेतृत्व में विश्वस्तरीय तर्ज पर किया जा रहा है। कोटा रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास कार्य 207.63 करोड़ की लागत से तीव्र गति से किया जा रहा है जोकि 29 अप्रैल, 2025 तक पूरा होने का लक्ष्य है।

कोटा रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास कार्य 12 नवम्बर, 2022 में शुरू हुआ था। इस कार्य के निर्माण अवधि की समय सीमा 900 दिन की है। स्टेशन के 6765 वर्गमीटर में 02 आगमन ब्लॉक एवं 01 प्रस्थान ब्लॉक का निर्माण, स्टेशन पर वीआईपी लाउन्ज, वेटिंग रूम, फ़ुड प्लाजा और क्योस्क जैसी सुविधाएं, प्लेटफार्म नंबर 1 और 3 को जोड़ने की 2100 वर्गमीटर में कॉनकोर्स एरिया का निर्माण, यात्रियों की सुविधा के लिए 08 लिफ्ट एवं 14 एस्कलेटर का प्रावधान, स्टेशन दिव्यांग फ्रेंड्ली, पार्किंग की सुविधा, यात्री सुरक्षा एवं संरक्षा को ध्यान में रखते हुए सीसीटीवी कैमरे, पर्यावरण सरंक्षण के लिए स्टेशन को ग्रीन बिल्डिंग के रूप में विकसित, सौर ऊर्जा एवं जल सरंक्षण की व्यवस्था। पुनर्विकसित कोटा स्टेशन विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराएगा और साथ क्षेत्र का आर्थिक विकास भी करेगा।

मानसिक रोगों के प्रति जागरुकता अभियान जारी

कोटा, (निसं)। अफिनिटी हॉस्पिटल की तरफ से आमजन को मानसिक रोगों के प्रति जागरूक करने का प्रयास निरंतर जारी है, जिसमें प्रत्येक हफ्ते अलग-अलग विषयों पर कार्यशालाएं आयोजित कर लोगों को जागरुक किया जा रहा है और भ्रांतियों को दूर किया जा रहा है। अक्टूबर माह को बच्चों में होने वाली एडीएचडी नामक एक दिमागी बीमारी के जागरुकता माह के रूप में मनाया जाता है। रविवार को अफीनिटी हॉस्पिटल, तलवंडी द्वारा इसी उपलक्ष्य में एडीएचडी पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

- बच्चों में अधिक चंचलता और सक्रियता भी दिमागी बीमारी हो सकती है रू डॉ. नीना विजयवर्गीय

एडीएचडी बचपन में होने वाला एक आम मानसिक विकार है जो एक विकासात्मक विकार है जिसमें ध्यान न देने या अतिसक्रियता और आवेगशीलता के लक्षण दिखाई देते हैं। ये लक्षण बचपन में ही शुरू हो जाते हैं और दैनिक जीवन को प्रभावित कर सकते हैं। विश्व में 100 में से 8 बच्चों और किशोरों में एडीएचडी होता है और भारत में 100 में से 2 से 17 बच्चों/किशोरों में एडीएचडी होता है। एडीएचडी सबसे अधिक 9 और 10 वर्ष की आयु के बच्चों में होता है। इस कार्यशाला में डॉ.नीना विजयवर्गीय, मनोचिकित्सक एवं काउंसलर, एमबीबीएस, डीपीएम (साइकेट्री), एमआईपीएस द्वारा एडीएचडी के लक्षण, संभावित कारण, इससे जुड़ी भ्रांतियां व तथ्य, निवारण, उपचार के उपाय आदि के बारे में विस्तारपूर्वक बताया जानकारी दी। एडीएचडी से प्रभावित बच्चे पढ़ाई में बाकी बच्चों की तुलना में पीछे रह जाते हैं, उनमें व्यवहारिक परेशानियां आने लगती हैं और आत्म-सम्मान में कमी आने लगती है। ऐसे बच्चे दिखने में बहुत चंचल और शैतान होते हैं, चीजों पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते, हमेशा सक्रिय रहते हैं, अपनी बारी का इंतजार नहीं कर पाते, बहुत ज्यादा बोलने लगते हैं, एक जगह शांत होकर नहीं बैठ पाते, जिसे सामान्य बचपना समझा जाता है और समय पर न पहचान पाने की वजह से बीमारी बढ़ती जाती है।

211 छात्रों के आंखों की जांच की

मकराना (निस) उपखंड के ग्राम भरनाई और देवरी में सरकारी स्कूल के छात्रों की जांच के लिए शिविर लगाया। जिसमें 211 छात्रों के आंखों की जांच की गई। जिसमें से एक का ऑपरेशन के लिए चयन हुआ। लायंस क्लब मार्बल सिटी मकराना और शंकरा आई हॉस्पिटल के रैंबो प्रोगाम के तहत इन दिनों पूरे मकराना तहसील के समस्त सरकारी स्कूलों के छात्रों की आंखों की जांच की।

डॉ.अशोक मूंदड़ा अध्यक्ष, डॉ. विनोद गर्ग सचिव नियुक्त

कोटा, (निसं)। राजस्थान एकेडेमी आफ फोरेन्सिक मेडिसिन के तत्वावधान में फोरेन्सिक मेडिसिन विभाग चिकित्सा महाविद्यालय कोटा द्वारा द्वितीय राज्य स्तरीय कान्फ्रेन्स राजफेमटीकॉन-24 का आयोजन कोटा में किया गया जिसमें सर्वसम्मति से राजस्थान में कई पदाधिकारियों को सर्वसम्मति से चुना गया। सभी की सहमति से डॉ.अशोक मूंदड़ा, वरिष्ठ आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, फॉरेंसिक मेडिसिन विभाग, मेडिकल कॉलेज, कोटा को अध्यक्ष एवं डॉ.विनोद गर्ग को सचिव नियुक्त किया गया। इस अवसर पर सभी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का भव्य स्वागत किया। इस दौरान डॉ.मूंदडा ने कहा कि जिस तरह से कोटा में सेमिनार आयोजित कर नई तकनीक को सांझा किया गया साथ ही एक बडी उपलब्धि हांसिल की, ऐसा प्रयास राजस्थान में अन्य जगह भी किए जाने का प्रयास रहेगा साथ ही विभाग से

चम्बल को शोषण, प्रदूषण, अतिक्रमण से बचाने का संकल्प

कोटा, (निसं)। चंबल को शोषण, अतिक्रमण एवं प्रदूषण से बचाने के आव्हान को लेकर पैदल परिक्रमा पर निकले उत्तर प्रदेश इटावा के निवासी पर्यावरणविद् रोबिन सिंह एवं उनके साथी संतगणों की यात्रा रविवार को नदी के रंगपुर घाट पर पहुंचे। जहां उन्होंने स्थानीय प्रबुद्ध नागरिकगणों की मौजूदगी में नदी पूजन किया। उन्होंने नयागांव, मानसगांव, भदाना, आदि स्थानों पर नागरिकों से चंबल को बचाने के प्रयासों के तहत चर्चा की। चंबल संसद के समन्वयक बृजेश विजयवर्गीय एवं पर्यावरण प्रेमियों ने स्वागत किया।

- पदयात्री रोबिन सिंह, तेजोमाया वन स्वामी ने रंगपुर घाट नदी का पूजन किया

कोटा पहुंचे रोबिन सिंह ने चंबल का पूजन किया है।

अध्यक्ष कुंज बिहारी नंदवाना, संरक्षक जीडी पटेल ने बताया कि रोबिन सिंह ने पर्यावरण गतिविधियों के तहत चम्बल की सहायक प्रदूषित चंद्रलोई नदी की दूर्दशा पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि चंद्रलोही नदी के प्रदूषण के कारण कोटा के निकट चंबल को बड़ा खतरा है। इससे यहां की सभ्यता पर विपरीत असर होगा। रामकृष्ण शिक्षण संस्थान भदाना के सचिव युधिष्ठिर चानसी ने बताया कि मानस गांव, नोटाणा, किशनपुरा तकिया, देवली मछियान, रंगपुर, गांवड़ी, गंगायचा, भदाना, आदि क्षेत्रों में पर्यावरणप्रेमी नागरिक एवं जनप्रतिनिधि पद यात्रियों का स्वागत किया। रंगपुर घाट पर पूर्व पार्षद युधिष्ठिर चानसी, पूर्व उप सरपंच अजय शर्मा, राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त डॉ.आरसी साहनी, वरिष्ठ नेता डॉ.एन शर्मा, कौशिक गायत्री परिवार के यज्ञदत्त हाड़ा, वरिष्ठ साहित्यकार पुरुषोत्तम पंचोली, उद्घोषक नीलिमा, समाजसेवी हेमलता गांधी, पीडी मीणा, राजेंद्र शर्मा, अमर लाल केवट, चौथमल हाड़ा, गिरिराज शर्मा, बनवारी लाल मालव, कल्याण प्रसाद, लटूर लाल सैनी, मोहित चानसी, कृश मीणा कल्याण प्रसाद आदि ने परिक्रमा यात्री गणों का स्वागत किया। आज सूरज भवन में नागरिकों से संवाद-चम्बल संसद के समन्वयक बृजेश विजयवर्गीय ने बताया कि 21 अक्टूबर सोमवार को अपरान्ह 3.00 बजे वल्लभबाड़ी स्थित सूरज भवन 121-ए पर शहर के गणमान्य लोगों एवं पर्यावरण प्रेमियों को संबोधित करेंगे। राष्ट्रीय जल बिरादरी, बाघ-चीता मित्र, कोटा एनवायरमेंटल सैनिटेशन सोसायटी, अमृता देवी पर्यावरण नागरिक संस्थान ने चम्बल के संरक्षण के लिए जन आंदोलन पर जोर दिया।

'सनातन धर्म की सच्ची मूर्ति थे महन्त मनोहरदास'

अजमेर । महन्त बाबा मनोहरदास जी ने अपने जीवनकाल में भक्तों में परमात्मा को पाने का सरल रास्ता मानवता की सेवा व सनातन धर्म की पालना की ओर प्रेरित करते थे उन्होनें सदैव जरूरतमन्द परिवारों व प्राणियों के सहयोग की ओर अठासर किया ऐसे आर्शीवचन अजय नगर स्थित ईश्वर मनोहर उदासीन आश्रम में आयोजित महन्त मनोहरदास के 90वें प्राकट्यय महोत्सव के समापन अवसर पर भीलवाडा से पधारे महामण्डलेश्वर हंसराम उदासीन ने प्रकट किये। उन्होने कहा कि स्वामी मनोहरदास सरल स्वभाव के संत थे जिन्होने सभी जोडा। समारोह में आये सन्त महात्माओं के आर्शीवचन हुये जिनमें आश्रम के महन्त स्वरूपदास, भीलवाडा के महन्त गणेशदास,

- महन्त बाबा मनोहरदास के 90वें प्राकट्यय महोत्सव पर हुये धार्मिक कार्यक्रम

किशनगढ के महन्त श्यामदास, राजकोट के स्वामी अमरलाल, अजमेर के स्वामी ईसरदास, स्वामी अर्जुनराम, स्वामी आत्मदास, संत गौतम, प्रेम प्रकाश आश्रम के दादा नारायणदास, भाई भीषम ने कहा कि स्वाामी मनोहरदास ने सदेव सादगी के साथ सनातन धर्म की सेवा की एवं देशभर मं श्रृद्धालुओं को सेवा कार्य के लिये प्ररित किया। खैरथल से आये दीप लखवाणी, अजमेर के अशोक सोनी, ढोलण शर्मा ने दो दिनों में अलग अलग कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

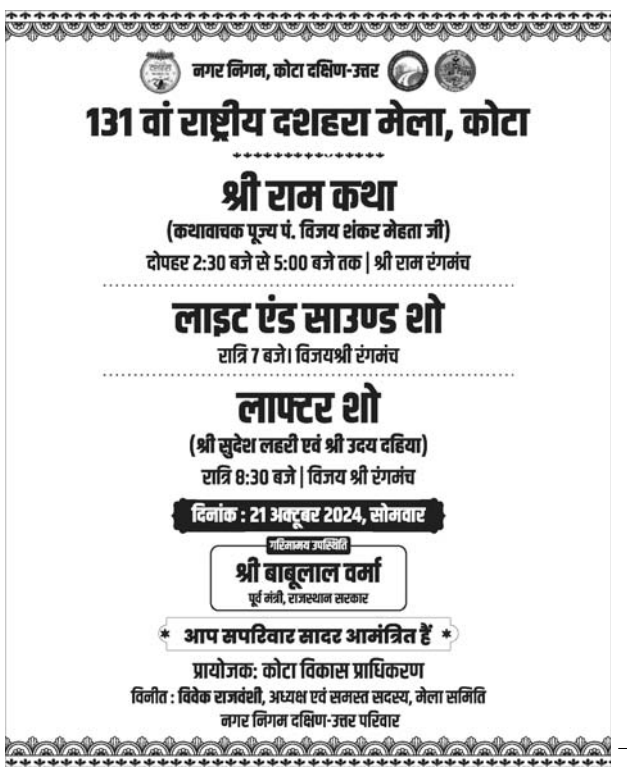

रेजीडेंट डॉक्टरों ने पूर्ण रूप से कार्य बहिष्कार किया, सरकार से वार्ता विफल

जेएलएन अस्पताल की व्यवस्था चरमराई, लंबी कतारों में लगे मरीज हो रहे परेशान

अजमेर, (कासं)। अस्पताल में सुरक्षा सहित आठ सूत्रीय मांगों को लेकर पिछले कई दिनों से रेजीडेंट डॉक्टरों का दो घंटे का कार्य बहिष्कार आंदोलन रविवार को पूर्ण कार्य बहिष्कार में बदल गया। जवाहरलाल नेहरू अस्पताल की चिकित्सा व्यवस्था चरमरा गई। अस्पताल आने वाले मरीजों को और ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है। ओपीडी में लंबी कतारें लगी हुई है। लंबी हड़ताल के चलते अस्पताल में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और जूनियर रेजीडेंट ने मोर्चा संभाल रखा है। अस्पताल प्रबंधन ने सभी कार्मिक की छुट्टियां निरस्त कर दी है। यहां उल्लेखनीय है कि जेएलएन अस्पताल में करीब 250 रेजीडेंट कार्यरत हैं।

रेजीडेंट डॉक्टरों और राज्य सरकार के बीच हुई वार्ता विफल के बाद रविवार से रेजीडेंट डॉक्टरों ने पूर्ण कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया। रेजीडेंट डॉक्टरों का कहना रहा कि अब जब तक उनकी मांगों पर सरकार कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं करती तब तक रेजीडेंट पूर्ण कार्य बहिष्कार पर रहेंगे।

अजमेर के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के रेजीडेंट डॉक्टरों ने नारेबाजी की।

- हड़ताल के चलते अस्पताल में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और जूनियर रेजीडेंट ने मोर्चा संभाला

हालांकि इससे मरीजों को परेशानी होगी, जोकि वह भी नहीं चाहते, लेकिन सरकार रेजीडेंट डॉक्टर्स के प्रति असंवेदनशीलता दिखा रही है। इसलिए मरीजों को होने वाली किसी भी प्रकार की समस्या की पूर्ण रूप से जिम्मेदारी सरकार एवं अस्पताल प्रबंधन की होगी। कार्य बहिष्कार के चलते अस्पताल आने वाले मरीजों की समस्याएं और बढ़ गई है। मौजूदा हालत और बढ़ते मरीजों की संख्या को देखते हुए जल्द ही कोई समाधान नहीं निकाला गया तो स्थिति और विकट हो सकती है। मरीजों ने प्रशासन से मांग की है कि वे जल्द से जल्द समस्या का समाधान निकाल कर आम जनता को राहत दी जाए।

अजमेर संभाग का सबसे बड़ा जेएलएन अस्पताल है, यहां शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों के मरीज इलाज के आते हैं। मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ने से खासकर डेंगू, मलेरिया, वायरल फीवर और सर्दी-खांसी के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी होने से अस्पताल की आउटडोर व्यवस्था भी पूरी तरह लडख़ड़ा गई है। इलाज के लिए अस्पताल आने वाले मरीजों को घंटों लाइन में खड़ा होना पड़ रहा है। डॉक्टरों की अनुपलब्धता के कारण मरीजों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

अस्पताल अधीक्षक डॉ.अरविंद खरे ने बताया कि अस्पताल के सभी प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, जूनियर रेजीडेंट आदि सीनियर डॉक्टर्स के साथ मिल कर चिकित्सा व्यवस्था दुरुस्त करने में अपनी सेवाएं देंगे। नर्सिंग स्टाफ को भी पाबंद करते हुए दिशा निर्देश दिए गए हैं। अस्पताल स्टाफ की छुट्टियां भी फिलहाल रद्द कर दी गई हैं और उन्हें बिना सूचना के मुख्यालय नहीं छोड़ने के लिए पाबंद किया है। रविवार के चलते दो घंटे का आउटडोर रहा। फिर भी मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो, इसके लिए पूरे प्रयास किए जा रहे हैं।

झुंझुनूं में एक बार फिर भाजपा में बगावत देखने को मिली

बबलू चौधरी ने निवास पर मन की बात कार्यक्रम के तहत समर्थकों को सम्बोधित किया।

- भाजपा नेता बबलू चौधरी ने बगावत का ऐलान किया, 23 को नामांकन दाखिल करने की बात कही
- अब राजेन्द्र भांबू और बबलू चौधरी एक-दूसरे के लिए परेशानी बने

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं में एक बार फिर भाजपा में बगावत देखने को मिली है। लगातार चौथा चुनाव होगा, जब झुंझुनूं विधानसभा में भाजपा पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी को बगावत का सामना करना पड़ेगा। इस बार भाजपा नेता बबलू चौधरी ने बगावत का ऐलान करते हुए 23 अक्टूबर को अपना नामांकन दाखिल करने की बात कही है। इससे पहले कल टिकट घोषणा के बाद पार्टी के निर्णय के विरोध में करीब तीन दर्जन से अधिक बूथ अध्यक्षों व शक्ति केंद्र प्रभारियों के अलावा अन्य पदाधिकारियों ने पार्टी से इस्तीफे देकर अपने इरादे जाहिर कर दिए थे।

रविवार को बबलू चौधरी के निवास पर मन की बात कार्यक्रम के तहत समर्थकों का संवाद हुआ। जिसके बाद बबलू चौधरी ने 23 अक्टूबर को अपना नामांकन दाखिल करने का ऐलान किया। इस मौके पर बबलू चौधरी ने कहा कि गलत फीडबैक देकर उनकी टिकट का कटवाया गया है, लेकिन वे अपनी ताकत ईवीएम के जरिए दिखाएंगे। साथ ही वे खुद भी चाहते हैं कि जिस मनोयोग से उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए और कार्यकर्ताओं के लिए काम किए हैं, उसकी टेस्टिंग होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि टिकट का फैसला करने में पार्टी ने किसी की राय नहीं ली, जिस तरह कल दो बागियों को टिकट दिया गया है, उससे कार्यकर्ता आहत हुआ है। यह ट्रेंड और स्टाइल भाजपा के लिए सही नहीं है। उन्होंने कहा कि हम दिखाएंगे कि राज से नहीं, बल्कि जनता से चुनाव जीता जाता है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि शीर्ष नेतृत्व आएगा और कार्यकर्ताओं से बात करेगा तो भी विचार किया जाएगा।

इधर, उप चुनावों को लेकर गत दिनों मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा झुंझुनूं के नेताओं के साथ चुनावी चर्चा की गई थी। जिसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने साफ साफ शब्दों में कहा था कि इस बार बगावत करने वालों की खैर नहीं होगी। बगावत करने वाले परिणाम भुगतने को तैयार रहे। बावजूद इसके इस चेतावनी का असर होता दिखाई नहीं दे रहा है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ व प्रदेश प्रभारी डॉ. राधामोहनदास अग्रवाल भी अपने झुंझुनूं के दौरान अपने भाषणों में कह चुके हैं कि एक को टिकट मिलती है तो दूसरा बागी हो जाता है, इसे छोड़ना होगा। साथ ही अलग-अलग स्वागत की परंपरा को भी बंद करना होगा, लेकिन इन सब नसीहत और चेतावनी का असर होता दिखाई नहीं दे रहा है।

नामांकन पत्र जमा कराने की अंतिम तारीख 25 अक्टूबर है। लेकिन लगता है कि नामांकन दाखिल करने का सबसे बड़ा दिन 23 अक्टूबर होगा। बबलू चौधरी ने 23 अक्टूबर को नामांकन दाखिल करने की घोषणा कर दी है। वहीं कांग्रेस के संभावित उम्मीदवार के समर्थकों के अलावा भाजपा उम्मीदवार राजेंद्र भांबू के भी 23 अक्टूबर को नामांकन दाखिल करने की चर्चाएं है। हालांकि कांग्रेस और भाजपा ने अभी अपनी अधिकृत घोषणा नहीं की है।

इधर, भाजपा नेता बबलू चौधरी को मनाने के लिए भाजपा के पास 10 दिन है। चूंकि नामांकन वापिस लेने की तारीख 30 अक्टूबर है, जबकि नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 25 अक्टूबर है। हालांकि बबलू चौधरी पीछे हटेंगे, ऐसा माना नहीं जा रहा। फिर भी भाजपा पूरी कोशिश करेगी कि झुंझुनूं सीट को जीतने के लिए बबलू चौधरी को मनाकर भाजपा एकजुटता के साथ चुनाव लड़े।

महिलाओं ने करवा चौथ का व्रत रखा

अजमेर, (कासं)। जिलेभर में करवाचौथ के व्रत को सुहागिन महिलाओं ने धूमधाम से मनाया। महिलाओं ने व्रत के दौरान चांद देखने से पहले न तो अन्न का प्रयोग किया और न ही जल का। पति की लंबी उम्र की कामना के चलते किए जाने वाले इस व्रत को लेकर महिलाओं में सजने संवरने की भी होड़ लगी रही। इस दौरान अनेक रूप से एकत्रित होकर व्रत की स्थानों पर महिलाओं ने सामूहिक कथा सुनी।

3.50 रु. की लूट का आरोपी गिरफ्तार

करौली, (नि.स.)। मासलपुर थाना पुलिस ने क्षेत्र में गत 5 दिन पूर्व बैंक मित्र के साथ 3.50 लाख रुपए की हुई लूट के आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

करौली जिले के मासलपुर डाग क्षेत्र के रोहर घाटी में बैंक मित्र बीसी के साथ गत 5 दिन पूर्व लूट की वारदात को पुलिस प्रशासन ने गंभीरता से लेते हुए मासलपुर थाना पुलिस टीम ने लूट के आरोपियों तक पहुंची और लूट के चार साथी अपराधियों को गिरफ्तार करने में सफल हुए। जिला पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि गत 14 नवंबर को रिंकू सिंह पुत्र रामफूल माली निवासी काछीपुरा ने मासलपुर थाने पर मुकदमा दर्ज कराया कि वह 14 अक्टूबर को बैंक ऑफ बड़ौदा मासलपुर से 3.50 लाख रुपए निकलवाने आया था शाम चार बजे रुपए निकलवाकर मोटरसाइकिल पर रूपयों के बैग को रखकर गांव जा रहा था। मासलपुर जीएसएस से आगे पहुंचा। उधर हनुमान मंदिर की ओर से एक मोटरसाइकिल आई जिस पर तीन जने सवार थे। तीनों ने ही मुंह पर नकाब बांध रखा था।

मोटरसाइकिल से उतरकर आए और उनके हाथों में देसी कट्टा बंदूक थी जिन्होंने मेरे ऊपर तान दी और मेरी मोटरसाइकिल को पटक दिया और मेरे बैग को जबरदस्ती से छीनकर ले गए। घटना को पुलिस प्रशासन ने गंभीरता से लेते हुए मात्र 5 दिन में साइबर टीम के सहयोग से मासलपुर थाना पुलिस ने आरोपी देशराज पुत्र मनोरी जाटव निवासी नगला माधौपुर जिला अलवर, दिग्विजय सिंह उर्फ डिग्गो पुत्र नेहरू सिंह गुर्जर निवासी नगला माधौपुर, श्यामवीर सिंह उर्फ सत्या पुत्र सोहनसिंह गुर्जर निवासी नृसिंहपुरा थाना हिण्डौन एवं रामनारायण उर्फ रामू पुत्र लाखन सिंह गुर्जर निवासी बगलापुरा थाना सदर हिण्डौन को गिरफ्तार किया।

गाय का बीफ के शक पर गोरक्षकों ने पिकअप पकड़ी

पुलिस ने मौके पर जाकर पिकअप की जांच की और कब्जे में लिया।

पावटा, (निसं)। जयपुर से गाजियाबाद पिकअप में मांस भरकर ले जा रहे एक पिकअप चालक को बावड़ी पावटा में क्षेत्र के गोरक्षकों ने पीछा करते हुए शक के आधार पर पकड़ लिया। गोरक्षकों को शक था कि गाड़ी में गोवंश का मांस भरा गया है। वहीं गोंरक्षकों सहित युवाओं व ग्रामीणों की सूचना पर प्रागपुरा थाना प्रभारी राजेश कुमार मय जाप्ता मौके पर पहुंचे तथा मांस से भरी पिकअप को कब्जे में लिया। वहीं पिकअप चालक व उसके साथी को भी पूछताछ के लिए थाने लेकर आये।

गोभक्त रूपसिंह, प्रह्लाद सैन, नितेश शर्मा, प्रिंस मिश्रा, बजरंग सिंह बड़नगर व उनकी टीम, गोरक्षक जलेंधर यादव, नरेंद्र गुर्जर, मनमोहन यादव, रवि यादव सहित बड़ी संख्या में मौजूद गोरक्षकों ने बताया कि एक पिकअप में भारी मात्रा में गो माँस ले जाने की सूचना पर जयपुर की ओर से एक पिकअप गाड़ी आती दिखाई दी, जिसमें से सड़क पर खून भी बह रहा था। गोरक्षकों को शक हुआ कि इस पिकअप में बीफ भरा हुआ है, जिस पर गोरक्षकों का शक गहराया तथा पिकअप चालक को पकड़ लिया। मामले की सूचना पाकर प्रागपुरा थाना प्रभारी राजेश कुमार मय जाप्ता मौके पर पहुंचे। गौरक्षकों को आशंका थी कि पिकअप में बीफ लदा हुआ है। मामले को देखते हुए प्रागपुरा थाना प्रभारी राजेश कुमार द्वारा मांस से भरी पिकअप को कब्जे में लेकर मांस को जांच के लिए प्रागपुरा थाना पहुंचाया। जहां पशु चिकित्सकों की टीम मांस के सैंपल लेकर जांच में जुटीं है। पकड़े गए पिकअप ड्राइवर असिम खां ने बताया कि वह जयपुर चैनपुरा से भैंस का मांस भरकर गाजियाबाद में सप्लाई करने के लिए जा रहा था। इस दौरान प्रागपुरा थाने में चेयरमैन प्रतिनिधि निर्मल पंसारी, वाइस चेयरमैन नरपत सिंह, सरपंच प्रतिनिधि मदन, बद्री प्रसाद चौहान सहित जनप्रतिनिधि व बड़ी संख्या मे गोभक्त, युवा व ग्रामीण मौजूद रहे।

वांछित मुल्जिम को डिटेन किया

पावटा, (निसं)। विराटनगर में दो मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में वांछित मुल्जिम को भाबरु थाना पुलिस ने रविवार को डिटेन किया।

जिला कोटपुतली बहरोड पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस टीम ने दो मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में विराटनगर थाने के वांछित अपराधी रामोतार पुत्र रामजीलाल निवासी ढाणी गेसकान को डिटेन किया जाकर थाना बांसुर को सुपुर्द किया गया। भाबरु थाना प्रभारी रविंद्र सिंह ने बताया कि थाना विराटनगर पर 25 मई को एनडीपीएस एक्ट मे मामला पंजिबद्ध हुआ था।

बजरी से भरी दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त

पुलिस ने दोनों ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को थाने में खड़ा करवा दिया।

निवाई, (निसं)। निवाई थाना पुलिस ने अलग-अलग जगह से अवैध बजरी से भरे हुए दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त किया है। पुलिस ने रैकी कर रही एक कार को भी जब्त किया है। थानाधिकारी हरिराम वर्मा ने बताया कि पुलिस ने रविवार को नाकाबंदी के दौरान एक बजरी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली को प्रताप स्टेडियम के सामने से व एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को आदित्य प्लाजा के पास से जब्त किया है। पुलिस ने दोनों ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को पुलिस थाने में खड़ा करवा दिया है। इस प्रकार पुलिस ने बोरंगी में जालंधरनाथजी की पाल पर पैसों पर दांव लगाकर ताश पत्ती खेलते हुए दो जनों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि दामोदर पुत्र सूरजमल जैन निवासी वार्ड नम्बर 15 चौहटी बाजार व कन्हैयालाल पुत्र बाबूलाल मीणा निवासी भूखा की ढाणी, ढाणी जुगलपुरा को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से मौके पर 2990 रूपए जब्त किए।

मावली। सनातन गौ-सेवा संस्थान मावली द्वारा गोवंश जन जागरूकता अभियान के तहत मावली की सांस्कृतिक धरोहर और स्वाभिमान के प्रतीक ''बाईजी राज की बावड़ी'' को प्रथम चरण में बाहर एवं अंदर से साफ किया गया। इस महत्वपूर्ण परियोजना का उद्देश्य इस ऐतिहासिक स्थल को नया रूप देना और इसे स्थानीय सांस्कृतिक गौरव के प्रतीक के रूप में स्थापित करना है।

देवनानी ने विकास कार्यों का निरीक्षण किया

अजमेर, (कासं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने रविवार को कचहरी रोड नाला व सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने सालों पुराने अतिक्रमण हटाने के लिए नगर निगम टीम को शाबासी दी एवं शहर के लोगों से अपील की कि वे अजमेर के नव निर्माण में साथ आए। उन्होंने आगरा गेट से अग्रसेन सर्किल सड़क का भी निरीक्षण किया। गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर अफसरों को फटकारा और सुधार के निर्देश दिए। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी रविवार दोपहर कचहरी रोड़ नाला व सड़क निर्माण का निरीक्षण करने पहुंचे। यहां नगर निगम आयुक्त देशलदान ने उन्हें बताया कि गांधी भवन चौराहे से बंगाली गली तक कुछ दुकानदारों ने नाले पर अतिक्रमण कर दुकानें बना ली थी। इस कारण मुख्य नाला बंद हो गया था और सड़क पर बरसाती पानी भर रहा था। नाला बंद होने के साथ ही सड़क भी काफी संकरी हो गई थी। इसी तरह बंगाली गली से ब्रह्मपुरी नाले तक भी सड़क पर कई दुकानदारों, होटल व अन्य लोगों ने अतिक्रमण कर रखे थे।

अज्ञात कारणों के चलते खेत में आग लगी

आग लगने से खेतों में रखा चारा जल गया।

कोटपूतली, (निसं)। समीपवर्ती ग्राम पंचायत गोरधनपुरा चौकी स्थित कुम्हारों की ढाणी में रविवार को अज्ञात कारणों के चलते खेत में रखी कड़बी में आग लग गई। जिससे करीब एक दर्जन किसानों की 1300 मण कड़बी जलकर राख हो गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। ग्रामीणों ने आग को बुझाने के काफी परेशान किये, जिसके बाद सूचना पर पहुंची पावटा नगर पालिका, नगर परिषद कोटपूतली व अल्ट्राटेक सीमेंट कम्पनी से दमकल की गाड़ियों ने आसपास के ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया। आगजनी से किसानों का लाखों रूपयों का नुकसान हो गया एवं पशुओं का चारा जलकर राख हो गया। किसानों की बाजरे की कड़बी व ईंधन की लकड़ी जल गई। वहीं आगजनी से आसपास बने मकानों में भी नुकसान हुआ है।

कुंड में गिरने से किशोर की मौत

सादुलपुर, (निसं)। मानपुरा गांव की रोही में पानी के कुंड में गिरने से एक किशोर की मौत हो गई। थाना अधिकारी पुष्पेंद्र सिंह झाझड़िया ने बताया कि सुभाष मेघवाल (34) निवासी मानपुरा ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि 19 अक्टूबर को उसके छोटे भाई कृष्ण कुमार का पुत्र अभिषेक खेत में फसल में काम करवाने के लिए गया था। खेत में उसके पिता कृष्ण कुमार तथा माता सुमित्रा भी काम कर रहे थे तथा पास में ही वह भी काम कर रहा था। उसकी पत्नी सुमन भी वहीं पर थी। तभी अभिषेक खेत में बने पानी के कुंड में पानी लाने गया तथा पानी निकालते समय अचानक पैर फिसल गया और संतुलन बिगडने के कारण अभिषेक पानी के कुंड में गिर गया तथा पानी में डूब गया। जिसके बाद वह तथा उसकी पत्नी व उसका भाई तथा उसकी पत्नी ने कुंड में जाकर देखा तो अभिषेक पानी में डूब गया तथा गांव में के लोगों को मौके पर बुलाया तथा अभिषेक को पाने के कुंड में निकालकर उपचार के लिए राजगढ़ अस्पताल में ले जाते समय बीच रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में हुई मारपीट के बाद फायरिंग, एक घायल

फायरिंग में गम्भीर अस्वथा में एक घायल को जयपुर रैफर किया

गंगापुर सिटी, (निसं)। पीलोदा थाना क्षेत्र के छोटी उदेई गांव में रविवार सुबह पुरानी रंजिश को लेकर फायरिंग का मामला सामने आया है। फायरिंग में एक युवक के पैर में गोली लगने से वह गंभीर घायल हो गया। इस दौरान गांव में अफरा-तफरी मच गई। बाद में घायल को गंगापुर सिटी के जिला अस्पताल में लेकर आए, जहां हालत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने उसे जयपुर के लिए रेफर कर दिया गया।

घायल मुनीराज मीणा पुत्र कैलाश चंद निवासी छोटी उदेई ने बताया कि वह सुबह साढ़े दस बजे घर पर पुताई का काम कर रहा था। इस दौरान महेन्द्र जोगी सहित चार लोग गाड़ी में बैठकर आए और इतने में ही उन्होंने पहले तो हवा में फायरिंग की। बाद में मारपीट कर उन्होंने उसके ऊपर फायरिंग कर दी। जिससे उसके पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया।

घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया।

- पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए अलग-अलग जगह पर टीम को भेजा

बदमाश इसे गाड़ी में डालकर ले जा रहे थे, लेकिन यहां गंगापुर लड्डू राम बाबा की समाधि के पास में जोगीकापुरा में सड़क पर गिट्टियां पड़ी होने के कारण गाड़ी इसमें फंस गई, जिसके कारण बदमाश गाड़ी में घायल को छोड़कर भाग गए। सूचना मिलने पर उदेई मोड़ थाना पुलिस जोगीकापुरा में पहुंची और पुलिस ने कार को जब्त कर ली। वहीं घायल को गंगापुर सिटी के राजकीय जिला अस्पताल में पहुंचाया गया, जहां मुनीराज मीना की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे जयपुर रेफर कर दिया। इस दौरान जिला अस्पताल में लोगों की भीड़ जमा हो गई। कोतवाली थाना प्रभारी जितेन्द्र सिंह भी जिला अस्पताल में पहुंचे।

पुलिस उपाधीक्षक संतराम मीना ने बताया कि दोनों पक्षों में पुरानी रंजिश चल रही है। इसी को लेकर फायरिंग का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में आरोपियों को पकड़ने के लिए अलग-अलग जगहों पर टीम को रवाना कर दिया है। पुलिस ने घायल के पर्चा बयान के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है।

पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने से चूकने वाले भारत के भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने कहा कि उनके प्रदर्शन में कोई कमी नहीं थी लेकिन वह दिन पाकिस्तान के अरशद नदीम का था

पेरिस ओलंपिक भाला फेंक फाइनल पर बोले नीरज चोपड़ा

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

वीरेंद्र सहवाग

वीरेंद्र सहवाग के पिता ने क्रिकेट खेलने पर लगाया था बैन, आज 46वां जन्मदिन मना रहे मुल्तान के सुल्तान 20 अक्तूबर को भारत के लिए खेलने वाले अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी वीरेंद्र सहवाग अपना 46वां जन्मदिन मना रहे हैं। वीरेंद्र सहवाग क्रिकेट की दुनिया में कई रिकॉर्ड बना चुके हैं। इसके अलावा वह सोशल मीडिया पर भी काफी पॉपुलर हैं। महज 12 साल की उम्र से ही वीरेंद्र सहवाग ने क्रिकेट खेलना शुरूकर दिया था। लेकिन एक घटना के कारण इनके पिता ने सहवाग के क्रिकेट खेलने पर बैन लगा दिया था।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट में लगातार कैच आउट होने का रिकॉर्ड पाकिस्तान के इमरान खान के नाम है। इमरान अगस्त 1982 से नवंबर 1986 तक लगातार 19 पारियों में कैच आउट हुए।

राजस्थान ने हिमाचल को 8 विकेट से हराया

जयपुर, 20 अक्टूबर। धर्मशाला में बीसीसीआई की प्रतिष्ठित सीनियर प्रतियोगिता रणजी ट्रॉफी के राजस्थान - हिमाचल रणजी मैच के तीसरे दिन

राजस्थान ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की सहायता से 8 विकेट से हराया।मैच के तीसरे दिन राजस्थान के गेंदबाज अनिकेत चौधरी व मानव सुथार ने शानदार गेंदबाजी करते हुए हिमाचल टीम को उसकी दूसरी पारी में 260 रनो के स्कोर पर आल आउट कर दिया।राजस्थान को मैच जितने के लिए मात्र 24 रनो की आवश्यकता थी जिसे राजस्थान ने 2 विकेट के नुकसान पर 26 रन बनाते हुए मैच में 8 विकेट से जीत दर्ज की।हिमाचल के विरुद दूसरी पारी गेंदबाज अनिकेत चौधरी 66 / 5 मानव सुथार 77 / 4, दीपक चाहर 35 / 1 विकेट प्राप्त किये।

अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी

राजस्थान - बंगाल मैच

राजस्थान के सचिन यादव , राज शर्मा, मुकुल चौधरी चमके

राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में आज से जयपुर में के एल सैनी स्टेडियम मानसरोवर पर शुरू हुए राजस्थान - बंगाल अंडर 23 सी के नायुडु ट्रॉफी (मल्टी डेज) मैच के पहले दिन राजस्थान के लिए सचिन यादव व राज शर्मा , मुकुल चौधरी ने शानदार अर्धशतकीय पारियां खेली , टीम के लिएसचिन यादव 76 , मुकुल चौधरी नाबाद 66 , राज शर्मा 50, करण लाम्बा 20, हिमान्शु नेहरा 20, सुमित गोदारा 14 रनो का योगदान दिया। राजस्थान पहली पारी 261/8

बीसीसीआई द्वारा मंगलापुरम, त्रिवेंद्रम में आयोजित की जा रही बीसीसीआई सीनियर वीमेन टी 20 क्रिकेट प्रतियोगिता में राजस्थान - बिहार मैच में राजस्थान 5 रन से हारी।

राजस्थान - बिहार मैच का परिणाम :-

बिहार पारी 96 / 6, राजस्थान की गेंदबाज सोनल कलाल 20 / 2 व सुमन मीणा 17 / 1 विकेट प्राप्त किये।राजस्थान पारी 91 आल आउट, राजस्थान की बल्लेबाज सुमन मीणा 32 व बबिता मीणा 28 रनो का योगदान दिया।

सीएजी दिल्ली ने सीआरपीएफ दिल्ली को 2-1 से हराया

जालंधर, 20 अक्टूबर। 41वें इंडियन ऑयल सर्वो सुरजीत हॉकी टूर्नामेंट के लीग राउंड में सीएजी दिल्ली ने रविवार को सीआरपीएफ दिल्ली को 2-1 के अंतर से हराकर तीन अंक हासिल किए। जालंधर के ओलंपियन सुरजीत हॉकी स्टेडियम में चल रहे टूर्नामेंट के दूसरे दिन के दूसरे मैच में पंजाब एंड सिंध बैंक दिल्ली और इंडियन नेवी की टीमें 1-1 से बराबरी पर रहीं। पार्ट डी के मैच में पंजाब एंड सिंध बैंक दिल्ली को भारतीय नौसेना ने कड़ी टक्कर दी। पहले तीन क्वार्टर में कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी. खेल के 47वें मिनट में इंडियन नेवी के आकिब रहीम ने पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल कर स्कोर 1-0 कर दिया

36 साल बाद घर में न्यूजीलैंड से टेस्ट हारा भारत

न्यूजीलैंड ने टेस्ट मैच में भारत को आठ विकेट से हराया

बेंगलुरु, 20 अक्टूबर। भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु टेस्ट में 8 विकेट से हार झेलनी पड़ी है। टीम 36 साल के बाद कीवियों के खिलाफ अपने घर में हारी है। पिछली हार 1988 में वानखेड़े स्टेडियम में मिली थी।

भारतीय टीम ने कीवियों को जीत के लिए 107 रन का टारगेट दिया था, जिसे मेहमान टीम ने रविवार को 2 विकेट खोकर हासिल किया। विल यंग 45 और रचिन रवींद्र 39 रन बनाकर नाबाद लौटे। टीम इंडिया दूसरी पारी में 462 रन पर ऑलआउट हो गई। न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 402 और इंडिया ने 46 रन बनाए थे। इस हार के बाद टीम इंडिया 3 मैचों की सीरीज में 0-1 से पिछड़ गई है। सीरीज का दूसरा मुकाबला पुणे में 24 से 28 अक्टूबर के बीच खेला जाएगा।

आज सुबह के सत्र में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने न्यूजीलैंड के टॉम लेथम (शून्य) और उसके बाद डेवन कॉन्वे (17) को आउट मैच में वापसी की उम्मीद जगाई थी। लेकिन उसके बाद बल्लेबाजी करने आये विल यंग और रचिन रविंद्र ने धैर्यपूर्ण बल्लेजी करते हुए अपनी टीम को जीत दिला दी। विल यंग (नाबाद 48) और रचिन रविंद्र (39) रनों की पारी खेली। न्यूजीलैंड ने 27.4 ओवर में दो विकेट पर

110 रन बनाकर आठ विकेट से जीत दर्ज की। न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में रचिन रविंद्र (134),डेवन कॉन्वे (91) और टिम साउदी (65) की शानदार पारियों के दम पर 402 रन का स्कोर खड़ाकर 356 रनों की बढ़त बना ली थी।

सुंदर दूसरे-तीसरे टेस्ट के लिए भारतीय टीम में शामिल

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दूसरे और तीसरे मैच के लिए भारतीय टीम के स्क्वॉड में बदलाव हुआ है। ऑलराउंडर

वॉशिंगटन सुंदर को टीम में शामिल किया गया है। ने रविवार को यह जानकारी दी। सुंदर दूसरे टेस्ट से पहले पुणे में टीम से जुड़ेंगे।भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में में 8 विकेट से हार झेलनी पड़ी है। न्यूजीलैंड टीम तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारत दौरे पर आई है। दूसरा मैच 24 अक्टूबर से पुणे में और तीसरा 1 नवंबर से मुंबई में खेला जाएगा। 25 साल के सुंदर ने 2021 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के लिए टेस्ट में डेब्यू किया था। उन्होंने अब तक अपने करियर में कुल 4 टेस्ट खेले, जिसमें उन्होंने 265 रन बनाए और 6 विकेट भी लिए।

न्यूजीलैंड ने पहली बार विमेंस टी-20 वर्ल्डकप जीता

साउथ अफ्रीका को फाइनल में 32 रन से हराया

दुबई , 20 अक्टूबर। न्यूजीलैंड ने पहली बार विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया है। टीम ने रविवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए फइनल में साउथ अफ्रीका को 32 रन से हराया। साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर बॉलिंग का फैसला किया। न्यूजीलैंड ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 158 रन बनाए। जवाब में साउथ अफ्रीका 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 126 रन ही बना सकी।

एमेलिया केर (43) और ब्रूक हैलिडे (38) की शानदार पारियों की मदद से न्यूजीलैंड ने रविवार को खेले गये महिला टी-20 विश्वकप के फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 159 रनों का लक्ष्य दिया है।

कीवी टीम 14 साल बाद फाइनल में पहुंची है। इससे पहले टीम 2009 और 2010 दोनों वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची थी लेकिन दोनों बार उसे हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, साउथ अफ्रीका लगातार दूसरी बार फाइनल खेलेगी, 2023 में उसे ऑस्ट्रेलिया से हार मिली थी। आज यहां दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोलवार्ड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में जॉर्जिया पिलमर (9) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी एमेलिया केर ने सूजी बेट्स के साथ पारी को संभाला।

आठवें ओवर में एन म्लाबा ने सूजी बेट्स (32) को आउट कर न्यूजीलैंड को दूसरा झटका दिया। कप्तान सोफी डिवाइन (छह) रन बनाकर आउट हुई। एमेलिया केर ने 38 गेंदों में (43) और ब्रूक हैलिडे ने 28 गेंदों में (38) रनों की पारी खेली। मैडी ठाीन (12) और इसाबेला गेज (तीन) रन बनाकर नाबाद रही। न्यूजीलैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 158 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से एन म्लाबा ने दो विकेट लिये। अयाबोंगा खाका, क्लोई ट्राइऑन और नडीन डी क्लर्क ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। न्यूजीलैंड की पूर्व कप्तान सूजी बेट्स ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महिला टी-20 विश्व कप फाइनल मुकाबले के लिए मैदान पर उतरने के साथ अपने खाते में एक और उपलब्धि हासिल कर ली। सूजी बेट्स महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक कैप्ड वाली खिलाड़ी बन गई हैं। इस मामले में उन्होंने पूर्व भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज के सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

श्रीलंका ने वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराया

वेस्टइंडीज ने 234 का लक्ष्य पीछा करते हुए 38.3 ओवर में 4 विकेट पर 185 रन ही बना पाई। एकदिवसीय श्रृंखला में श्रीलंका 1-0 से आगे।

जयपुर पिंक पैंथर्स ने बंगाल वॉरियर्स को 39-34 के अंतर से हराया

हैदराबाद, 20 अक्टूबर। प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के पांचवें मुकाबले में रविवार को जयपुर पिंक पैंथर्स ने बंगाल वारियर्स को 39-34 के अंतर से हराया। रेड मशीन कहे जाने वाले अर्जुन देसवाल (15 अंक) जयपुर की जीत के हीरो रहे।

आज यहां गाचीबोवली इंडोर स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में बंगाल के लिए नितिन धनखड़ (13 अंक) ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। मनिंदर सिंह ने 8 अंक बटोरे जबकि फजल अत्राचली ने हाई-5 लगाया। जयपुर के लिए देसवाल के अलावा अभिजीत मलिक (सात अंक) ने चमक बिखेरी।

शुरुआती 10 मिनट काफी रोमांचक रहा। देसवाल मैच की पहली ही रेड पर नितेश द्वारा लपक लिए गए। वह जल्द ही रिवाइव हुए लेकिन अगली ही रेड पर फिर लपक लिए गए। पांच मिनट के बाद बंगाल को 5-2 की बढ़त मिली हुई थी। नितेश की गलती पर देसवाल रिवाइव हुए और मैच की सूरत बदल दी। रिवाइवल के बाद लगातार तीन रेड में उन्होंने तीन अंक लेकर जयपुर को बढ़त दिला दी। फिर देसवाल ने बंगाल को आलआउट की ओर धकेला और इसे अंजाम देकर अपनी टीम को 12-9 की बढ़त दिला दी।

ब्रेक के बाद भी अर्जुन नहीं रुके। उन्होंने दो रेड में तीन अंक लेकर जयपुर को 15-10 से आगे कर दिया। नितिन धनखड़ ने हालांकि मैच के पहले सुपर रेड के साथ बंगाल की वापसी सुनिश्चित की। अब फासला 2 का रह गया था। अगली रेड पर अर्जुन ने फजल को बाहर कर दिया

सीनियर पुरूष फुटबॉल चैंपियनशिप के दूसरे दिन हुए रोचक मुकाबले

जयपुर, 20 अक्टूबर। जयपुर के विद्याधरनगर फुटबॉल स्टेडियम में प्रतियोगिता के दूसरे दिन कुल सात मैच खेले गए राजस्थान के विभिन्न जिलों से आये खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाया।

राजस्थान फुटबॉल एशोसिएशन के सचिव श्री दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि आज प्रतियोगिता के दूसरे दिन का पहला मैच अलवर और भरतपुर के बीच खेला गया जिसमें अलवर 1-0 से विजयी रहा। दूसरा मैच चूरू और जयपुर के मध्य खेला गया जिसमें जयपुर 7-0 से विजयी रहा। तीसरा मैच राजस्थान पुलिस और उदयपुर के बीच खेला गया यह प्रतियोगिता का शानदार मैच हुआ एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में राजस्थान पुलिस 4-2 से विजयी रही। इस मैच में राजस्थान पुलिस के युवराज और उदयपुर के हिमेश ने शानदार खेल दिखाया।

राजधानी

लोकरंग में विभिन्न राज्यों की लोक कलाओं की प्रस्तुति ने मन मोहा

जवाहर कला केन्द्र की ओर से आयोजित 27वें लोकरंग महोत्सव का रविवार को राष्ट्रीय हस्तशिल्प मेले में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। मुख्य मंच पर कुचामणी ख्याल, लोक गायन, भपंग, कथौड़ी नृत्य, भवाई, चरी, कालबेलिया और तेरहताली की प्रस्तुति हुई।

जयपुर, (का.सं.)। जवाहर कला केन्द्र की ओर से आयोजित 27वें लोकरंग महोत्सव का रविवार को तीसरा दिन रहा। राष्ट्रीय हस्तशिल्प मेले में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और दस्तकारों के उत्पाद खरीदते नजर आए। यहां मुख्य मंच पर कुचामणी ख्याल, लोक गायन, भपंग, कथौड़ी नृत्य, भवाई, चरी, कालबेलिया, तेरहताली की प्रस्तुति हुई। लोक गायन सभा में माधवी मेवाल की लोक गायन और बाड़मेर के फकीरा खान भादरेश की मांगणियार गायन की प्रस्तुति हुई। मध्यवर्ती के मंच पर राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, गोवा, ओडिशा व उत्तर प्रदेश की लोक कलाएं साकार हुई।

मध्यवर्ती में मुजरो मान ली जो सा और घोड़लियो गीत के साथ जैसलमेर से आए मांगणियार बच्चों ने प्रस्तुति की शुरुआत की। सिर पर कलश रखकर बिहार के कलाकारों ने झिझिया नृत्य की प्रस्तुति दी। जेठ बैसाख माह में इंद्र देव का आभार व्यक्त करने के लिए यह नृत्य किया जाता है। मध्य प्रदेश के कलाकारों ने करमा नृत्य की प्रस्तुति दी। गोंड जनजाति के कलाकार यह नृत्य करते हैं। बताया गया कि समुदाय के लोग श्रम को कर्म देवता मानते हैं, नृत्य में अच्छी फसल होने पर कर्म देवता का आभार व्यक्त किया जाता हैं। मुख्य रूप से कर्म पूजा महोत्सव में यह नृत्य किया जाता है। हिलजात्रा नृत्य की प्रस्तुति दर्शकों को उत्तराखंड की यात्रा पर ले जाती है। नेपाल के सीमावर्ती पिथौरागढ़ में होने वाला यह नृत्य कृषक समुदाय की ओर से किया जाता है जिसमें नेपाली संस्कृति का प्रभाव भी देखने को मिलता है। यह मुखौटा प्रधान नृत्य है, लख्या भूत नामक पात्र सभी का ध्यान खींचता है। लख्या को शिवगण माना जाता है उसकी उपस्थिति भगवान शिव के आशीर्वाद के रूप में देखी जाती है।

जम्मू-कश्मीर के कलाकारों ने सुरमा नृत्य की प्रस्तुति दी। शृंगार प्रधान नृत्य में नायिका अपने प्रियतम से घर आने की गुहार लगाती है। गोवा के कलाकारों ने समई नृत्य की प्रस्तुति दी। यह हस्तशिल्प और कला को समाहित करने वाली विधा है। पितल का दिया जिसे क्षेत्रीय भाषा में समाई कहा जाता है उसे सिर पर रखकर कलाकार नृत्य करते है।जौनसार, उत्तरखंड के जनजातीय कलाकारों ने जौनसारी नृत्य पेश किया। पुरुष और महिलाएं इसमें हिस्सा लेते है और प्रकृति व जीवन के बीच के संबंध को जाहिर करते हैं। ओड़िशा के कलाकारों ने डालखाई नृत्य पेश किया। यह एक जनजाति नृत्य है जिसमें अच्छी खेती के लिए डालखाई देवी का धन्यवाद व्यक्त किया जाता है। उत्तर प्रदेश से आए कलाकारों ने मयूर नृत्य की प्रस्तुति से माहौल को कृष्णमय कर दिया।

शिल्पग्राम के मुख्य द्वार के सामने लॉन में सजी रंगचौपाल पर उदयपुर से आए कलाकारों ने गवरी लोक नाट्यय खेला। सोमवार को शाम 4 बजे से चौपाल में लोक नाटक की प्रस्तुति होगी।

त्योहारी सीजन में शिल्पग्राम में लगे मेले में रौनक देखने को मिली। गायन सभा में माधवी मेवाल की लोक गायन और बाड़मेर के फकीरा खान भादरेश की मांगणियार गायन प्रस्तुति हुई। फकीरा खान व साथी कलाकारों ने राधा रानी दे दारो बंसी म्हारी, झिर मीर बरसे मेह, हिचकी आदि लोक गीत गाए। मेले में गूंजते राजस्थानी गीतों का सभी आगंतुकों ने आनंद लिया।

राज्यपाल ने श्री श्याम सेवा संघ समिति के वार्षिक महोत्सव में भाग लिया

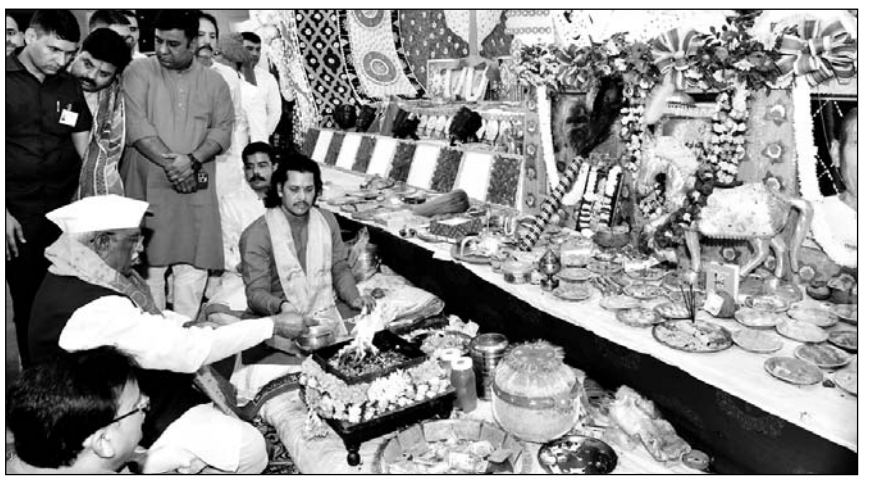

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने रविवार को हसनपुरा स्थित शांति नगर पार्क में श्री श्याम सेवा संघ समिति के 38वें वार्षिक महोत्सव में भाग लिया। उन्होंने वहां पर किए जा रहे यज्ञ में भी आहूति दी। इस दौरान उन्होंने 551 दीपकों की महाआरती के साथ प्रारंभ हुए इस महोत्सव की विभिन्न धार्मिक गतिविधियों की सराहना की और श्याम बाबा की झांकी के दर्शन कर उनसे राष्ट्र और राज्य की खुशहाली और संपन्नता के साथ सभी के मंगल के लिए कामना की।

कांग्रेस कोऑर्डिनेशन कमेटी की बैठक आज

जयपुर। प्रदेश में 13 नवम्बर को सात विधानसभा क्षेत्रों में होने वाले विधानसभा उप चुनाव की तैयारी हेतु 21 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी वार रूम पर प्रदेश कोऑर्डिनेशन समिति की बैठक आयोजित होगी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रंधावा की अध्यक्षता में आयोजित प्रदेश कोऑर्डिनेशन समिति की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सचिन पायलट, भंवर जितेंद्र सिंह, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी तथा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव व राजस्थान सहप्रभारी चिरंजी राव शामिल रहेंगे।

चिकित्सा अधिकारी भर्ती में सीट बढ़ाने की मांग

जयपुर। मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने चिकित्सा अधिकारी भर्ती 2024 में 1220 सीटों में वृद्धि कर 2700 पद करने के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा।

सराफ ने बताया कि राज्य में 2 साल बाद चिकित्सा अधिकारी भर्ती परीक्षा का आयोजन आरयूएचएस के माध्यम से किया जा रहा है। इसमें 1220 पदों पर चिकित्सा अधिकारी की भर्ती की जा रही है। जबकि प्रदेश में 5000 से अधिक पद खाली हैं जिनमें 3 महीने से पहले हुए डीएपीसी से 581 पद रिक्त हुए एवं पिछली 1765 भर्ती में 450 पद रिक्त हुए एवं वर्तमान में आरपीएससी मीटिंग पश्चात 500 पद रिक्त भी शामिल है। अभी वर्तमान में पीजी परीक्षा काउंसलिंग के बाद भी 1000 से अधिक पद रिक्त होने की संभावना है। सराफ ने कहा की सरकार इन 1220 पदों के साथ अन्य 1500 पदों पर भी भर्ती निकालती है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गांव-गांव डॉक्टर का सपना पूरा होगा। भाजपा चुनाव घोषणा पत्र में सातवें क्रमांक पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर वर्ष 3000 चिकित्सा अधिकारी भर्ती करने की गारंटी दी थी एवं राजस्थान सरकार की उपमुख्यमंत्री द्वारा बजट 2024 में 1220 के अतिरिक्त 1500 नई चिकित्सा अधिकारी के पदों की घोषणा की गई थी।

प्रख्यात वायलिन वादक मैसूर मंजूनाथ बने संस्कार भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष

जयपुर। विश्व प्रसिद्ध वायलिन वादक संगीतज्ञ प्रोफेसर डॉ मैसूर मंजूनाथ तीन वर्ष के लिए सर्वसम्मति से निर्विरोध संस्कार भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। निर्वाचित अध्यक्ष ने ऑनलाइन घोषणा की कि प्रसिद्ध अभिनेता.निर्देशक नीतीश भारद्वाज, मुंबई, कला विशेषज्ञ हेमलता एस मोहन, रांची, वरिष्ठ संस्कृति कर्मी डॉ रवींद्र भारती, जयपुर, संस्कार भारती के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष होंगे। प्रसिद्ध सुरबहार वादक डॉ अश्विन दलवी, जयपुर, अखिल भारतीय महामंत्री होंगे।अभिजीत गोखले, दिल्ली, अखिल भारतीय संगठन मंत्री अखिल भारतीय मंत्री रवि बेडेकर, नासिक, निलाँजना रॉय, कोलकाता, अनुपम भटनागर, दिल्ली, आशुतोष अडोनी, नागपुर और संजय चौधरी, सुभाष चंद्र अग्रवाल, आगरा, कोषाध्यक्ष और श्रीपाद जोशी उज्जैन, सह कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं। संस्कार भारती कला जगत का संगठन है। भारतीय कला जगत का संचालन भारतीय कला दृष्टि के आधार पर हो, इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए ऐसी बैठकों में योजना कार्यक्रम उपक्रम प्रकल्प इत्यादि नियोजित किए जाते हैं।विचार आधारित प्रस्तुतियां हो इस दृष्टि से कला, शिक्षा, अध्ययन, समीक्षा, श्रोता, संस्थाएं सृजन, नीति निर्धारण इत्यादि में संस्कार भारती कार्य आगे बढ़ाने का विचार हुआ है।

महिला के पेट से 12 साल बाद कैंची निकाली

गंगटोक, 20 अक्टूबर। सिक्किम की एक 45 साल की महिला के पेट से 12 साल पहले छोड़ी गई कैंची को निकाला गया है। उसके पति ने बताया कि महिला ने 2012 में सिक्किम की राजधानी गंगटोक में सर थुटोब नामग्याल मेमोरियल अस्पताल में एपेंडिक्स की एक सर्जरी कराई थी।

■ **महिला का 2012 में अपेंडिक्स का ऑपरेशन हुआ था। बारह सल पेट दर्द से परेशान रहने के बाद एक्स-रे से मालूम पड़ा कि पेट में सर्जिकल कैंची है, जो 2012 में ऑपरेशन के दौरान लापरवाही से छोड़ी गई थी।**

इसके बाद महिला का एपेंडिक्स का दर्द खत्म हो गया था।

लेकिन, कुछ दिनों बाद उन्हें फिर से पेट में दर्द होने लगा। कई डॉक्टरों को दिखाने के बाद भी दर्द बंद नहीं हुआ। वह 12 साल तक इस परेशानी से जूझती रही। 8 अक्टूबर 2024 फिर से महिला को उसी अस्पताल में गए, जहां एक्स-रे के दौरान पता चला कि पत्नी के पेट में सर्जिकल कैंची है, जो 2012 में हुए ऑपरेशन के दौरान छूट गई थी।

पति ने बताया कि एक्सरे जांच के बाद फिर से पत्नी की सर्जरी हुई, जिसमें कैंची को निकाला गया। उनकी हालात अब स्थिर है।

आर.जे.डी. ने बिहार उपचुनाव के प्रत्याशी घोषित किये

■ **उपचुनाव की चार सीटों में से तीन पर आर.जे.डी. तथा एक पर भाकपा (माले) के उम्मीदवार लड़ेंगे।**

पटना, 20 अक्टूबर। बिहार में उपचुनाव का बिगुल बज चुका है। यहां चार सीटों पर उपचुनाव होना है। उपचुनाव से पहले आर.जे.डी. और भाकपा (माले) की ओर से एक लिस्ट जारी की गई है, जिसमें चार प्रत्याशियों के नाम हैं। इनमें से तीन प्रत्याशी आर.जे.डी. के और एक प्रत्याशी भाकपा (माले) का हैं।

ये सीट इंडिया गठबंधन की ओर से जारी की गई है। इन चार में से तीन सीटें विधायकों के सांसद बनने के बाद खाली हुई थीं। ज्ञातव्य है कि, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह, आर.जे.डी. के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह और भाकपा (माले), भाकपा और माकपा नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान चारों प्रत्याशियों के नाम का ऐलान किया।

इंडिया गठबंधन की ओर से जारी की गई लिस्ट में आर.जे.डी. तीन सीटों, रामगढ़ , बेलागंज और इमामगंज से और भाकपा (माले) एक सीट, तरारी से चुनाव लड़ेगी।

बता दें कि रामगढ़ सीट से जगदानंद सिंह के बेटे तथा सुधाकर सिंह के भाई अजित सिंह को राजद ने प्रत्याशी बनाया है। सुधाकर सिंह के बक्सर से सांसद बनने के बाद रामगढ़ सीट खाली हुई थी। बेलागंज से राजद के प्रत्याशी विश्वनाथ कुमार सिंह चुनाव लड़ेंगे।

इस सीट से उनके पिता सुरेन्द्र प्रसाद यादव चुनाव लड़ते थे, जो अब जहानाबाद से सांसद हैं। इमामगंज से आर.जे.डी. ने गया जिला परिषद के पूर्व सदस्य रोशन मांझी को प्रत्याशी बनाया है। इसके अलावा लिस्ट में चौथा नाम तरारी सीट से भाकपा (माले) के नेता राजू यादव का है। राजू यादव ने 2019 में आरा लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था। हालांकि उस समय वे हार गए थे। तरारी से विधायक रहे सुदामा प्रसाद आरा से सांसद बन गए हैं, जिसके बाद इस सीट पर उपचुनाव हो रहा है।

मोदी ने वाराणसी में 6,700 करोड़ रूपए की परियोजनायें शुरु कीं

वाराणसी, 20 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी से प्रदेश और देश को 6700 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात देते हुए कहा कि आज काशी में एक ओर जहां तेजी से विकास हो रहा है वहीं दूसरी ओर विरासत को भी संरक्षित किया जा रहा है। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर परिवारवाद और तुष्टिकरण की राजनीति के चलते काशी को विकास से वंचित रखने का भी आरोप लगाया। सिगरा स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित शिलान्यास और लोकार्पण कार्यक्रम में अपने संबोधन का शुभारंभ प्रधानमंत्री ने भोजपुरी में किया और इसके बाद उपस्थित विशाल भीड़ को संबोधित करते हुए कहा कि आज काशी को लगभग हर सेक्टर से जुड़े प्रोजेक्ट मिल रहे हैं जिनकी मदद से न केवल लोगों को सुविधाएं मिलेंगी बल्कि यहां युवाओं के लिए रोजगार के नये अवसर भी मिलेंगे।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में एक और गिरफ्तार

■ **उदयपुरवासी भागवत सिंह को, शूटरों को हथियार देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।**

मुंबई, 20 अक्टूबर। बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में एक और आरोपी की गिरफ्तारी हुई है। मिली जानकारी के मुताबिक, इस हत्याकांड में ये 10वीं गिरफ्तारी है। आरोपी की पहचान भागवत सिंह के रूप में हुई है और वह 32 साल का है। भागवत की गिरफ्तारी नवी मुंबई के बेलापुर से हुई है। वह राजस्थान के उदयपुर का रहने वाला है। सूत्रों के मुताबिक, भागवत सिंह हमले के दिन तक मुंबई के बीकेसी इलाके में रह रहा था। जांच के दौरान सामने आया कि भागवत सिंह ने ही शूटरों को हथियार उपलब्ध कराए थे।

आरोपी को अदालत में पेश किया गया है, जहां से उसे 26 अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। बाबा सिद्दीकी महाराष्ट्र की सियासत में एक चर्चित चेहरा थे। वह इसी साल कांग्रेस छोड़कर एनसीपी (अजित गुट) में शामिल हुए थे। उन्हें भव्य इफ्तार पार्टियां करने के लिए जाना जाता था, जिसमें सलमान खान, शाहरुख खान जैसे बॉलीवुड के नामचीन सितारे शामिल होते थे। वह 48 सालों तक कांग्रेस में रहे थे और बांद्रा पश्चिम से तीन बार विधायक भी रहे। वह महाराष्ट्र में राज्य मंत्री भी रह चुके थे।

ईरान ने मेरी हत्या की कोशिश कर बड़ी गलती की-नेतन्याहू

यरूशलम, 20 अक्टूबर। इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान के एजेंट ने उनकी और उनकी पत्नी की हत्या करने की कोशिश करके एक बड़ी गलती की है। नेतन्याहू ने एक बयान में कहा, ईरान के एजेंट जिन्होंने आज मेरी और मेरी पत्नी की हत्या करने की कोशिश की, उन्होंने एक बड़ी गलती की है। उन्होंने लेबनान से ड्रोन हमले का जिक्र करते हुए कहा कि उसका लक्ष्य उत्तरी शहर कैसरिया में उनके निजी आवास को निशाना बनाना था।

बाद में ड्रोन ने शहर के एक अन्य घर को निशाना बनाया, जिसमें कोई हताहत नहीं हुआ। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि हमले के समय नेतन्याहू और उनकी पत्नी अपने निजी आवास में नहीं थे। नेतन्याहू ने बयान में कहा, यह मुझे और इज़रायल को पीढ़ि यों तक हमारी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हमारे दुश्मनों के खिलाफ लड़ाई जारी रखने से नहीं रोक सकेगा। उन्होंने कहा, मैं ईरानियों और उनके सहयोगियों से कहता हूं कि जो कोई भी इज़रायल के नागरिकों को नुकसान पहुंचाएगा, उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

■ **इज़रायल के प्रधानमंत्री ने कहा कि जो भी इज़रायल के नागरिकों को नुकसान पहुँचायेगा, उसे भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।**

रविवार को 20 विमानों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रिपोर्ट मांगी है। सी.आई.एफ.ए., एन.आई.ए. और आई.बी.को भी रिपोर्ट देने को कहा गया है।

केंद्र ने शनिवार को डी.जी.सी.ए. चीफ विक्रम देव दत्त को पद से हटाते हुए कोयला मंत्रालय में सचिव बना दिया। इस बदलाव को धमकी वाले मामलों से जोड़कर देखा जा रहा है। वहीं, शनिवार को एक साथ 30 धमकियां मिलने के बाद विमान कंपनियों के बड़े अधिकारियों ने ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्यूरिटी के अफसरों से मुलाकात की।

ब्यूरो के डायरेक्टर जनरल जुल्फिकार हसन ने उन्हें भरोसा दिलाया कि भारतीय आकाश पूरी तरह सुरक्षित है। विमान में बम होने की सूचना मिलने पर फ्लाइट को अपने निर्धारित एयरपोर्ट के बजाय नजदीकी हवाई अड्डे पर उतारा जाता है।

इससे ईंधन की खपत तो ज्यादा होती ही है, विमान की दोबारा जांच करने, यात्रियों को होटलों में ठहराने और उन्हें उनकी मंजिल तक पहुंचाने के लिए व्यवस्था करनी पड़ती है।

लेबनान में इज़रायली हमलों से अब तक 2448 मरे

बेरूत, 20 अक्टूबर। इज़रायल-हिजबुल्लाह संघर्ष की शुरुआत के बाद से लेबनान पर इज़रायली हवाई हमलों में मरने वालों की संख्या 2,448 तक पहुंच गई है, जबकि 11,471 लोग घायल हुए हैं। शनिवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी।

लेबनानी मंत्रिपरिषद में आपदा जोखिम प्रबंधन इकाई द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले 24 घंटों में लेबनान पर इज़रायली हवाई हमलों में 30 लोग मारे गए और 135 अन्य घायल हो गए। इस बीच विभिन्न क्षेत्रों में 82 हवाई हमले और गोलाबारी दर्ज की गईं, जिनमें से ज्यादातर दक्षिणी लेबनान में केंद्रित थीं, जिससे इज़रायली "आक्रामकता" की शुरुआत के बाद से हमलों की कुल संख्या 10,415 हो गई।

रिपोर्ट के अनुसार, विस्थापित व्यक्तियों को समायोजित करने और प्राप्त करने के लिए 1,094 मान्यता प्राप्त आश्रय स्थल खोले गए हैं।

जम्मू-कश्मीर आतंकियों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और हमलावरों को पकड़ने के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

इससे पहले 16 अक्टूबर को शोपियां में आतंकियों ने एक गैर-स्थानीय युवक की गोली मारकर हत्या कर दी थी। राजौरी में आतंकियों ने एक घर पर फायरिंग की। इसमें 40 साल के मोहम्मद रज्जाक की मौत हो गई। वे कुंडा टोपे शाहदरा शरीफ के रहने वाले थे। अप्रैल में टारगेट किलिंग की यह तीसरी वारदात थी।

रज्जाक के भाई सेना में जवान हैं। 19 साल पहले आतंकियों ने इसी गांव में रज्जाक के पिता मोहम्मद अकबर की हत्या कर दी थी। वे वेलफेयर डिपार्टमेंट में काम करते थे। रज्जाक को पिता के बाद उनकी नौकरी मिली थी।

क्या बड़े घर बेटी ब्याहने का नुकसान उठा रही है राजस्थान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मार्च 2020 को राजस्थान सरकार ने 71 भंडारगृहों पर 10 वर्ष की अवधि के लिए संयुक्त संचालन व व्यवस्था का ठेका श्री शुभम लॉजिस्टिक व ऑरिगो कंपनी को दिया था। इनमें से 48 भंडार गृह वर्तमान में श्री शुभम लॉजिस्टिक के पास तथा शेष 23 भंडार गृहों का संचालन की जिम्मेदारी ऑरिगो कंपनी के पास है। सरकार ने 10 वर्ष का यह ठेका जब इन दोनों कंपनियों को दिया था, तब निविदा में शर्त रखी गई थी कि दोनों कंपनियां गोदामों में रखी जाने वाली कृषि उपज का बीमा भी दस वर्ष के लिए ही करवायेंगी, क्योंकि इन 71 भंडार गृहों में करीब 85 हजार मेट्रिक टन तक कृषि उपज राज्य सरकार द्वारा रखी जाती है।

इससे पहले भी दोनों कंपनियों ने कई बार करोडों रु. की कृषि उपज को बीमा करवाये बिना भगवान भरोसे गोदामों में छोड़ा है। वर्तमान में श्री शुभम लॉजिस्टिक के 48 गोदामों में 2790 करोड़ की कृषि उपज रखी हुई है। इस कंपनी ने भी 25 अप्रैल से 12 जून 2024 तक करीब 49 दिन तक यह स्टॉक बिना बीमा करवाये रखा। इसके बाद जब जून माह में कंपनी ने इंश्योरेंस रिन्यू कराया तो उसे भी गलत श्रेणी में ले लिया।

इसके अलावा बड़ा तथ्य सामने आया है कि, ऑरिगो व श्री शुभम लॉजिस्टिक कंपनी को अलग-अलग श्रेणियों में 10 वर्ष की बैंक गारंटी जमा करवानी थी, लेकिन इन कंपनियों ने 10 वर्ष के बजाय 2-4 वर्षों के लिए अलग-अलग राशि की बैंक गारंटी दी, वर्ष 2025 तक खत्म होने वाली हैं। जानकारी के मुताबिक ऑरिगो कंपनी को 5 करोड़ 85 लाख रु. तथा श्री शुभम लॉजिस्टिक को 16 करोड़ 28 लाख रु. बैंक गारंटी जमा करवानी थी।

निविदा शर्तों के मुताबिक कम्पनी को सरकारी गोदामों में कुल क्षमता का 70 प्रतिशत माल रखना जरूरी था, परंतु शुभम लॉजिस्टिक ने अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक 41.64 प्रतिशत तथा अप्रैल 2023-मार्च 2024 तक कुल क्षमता का मात्र 32.76 प्रतिशत ही स्टॉक रखा, जबकि खुद के प्राइवेट गोदाम कृषि उपज से भर लिए।

इससे भंडारण निगम को करीब 130 करोड रु. कम आय हुई। वहीं ऑरिगो के मामले में इसी अवधि के दौरान यह आंकड़ा क्रमशः 11.78 व 16.34 प्रतिशत ही रहा। इससे भंडारण निगम को 12.94 करोड़ रु. आय कम प्राप्त हुई। इसके अलावा स्टॉक की गुणवत्ता व मात्रा बरकरार रखने के मामले में भी यह कंपनियां फेल साबित हुई, इससे विभाग को कुल 21 करोड़ का नुकसान झेलना पड़ा। इसी तरह दोनों कंपनियों को कृषि उपज की कीटनाशक स्प्रे के बदले 2.50 करोड़ रु. देने थे, जो नहीं दिये। अब यह राशि भंडारण निगम, इन कंपनियों के भुगतान में से काटेगा।

उल्लेखनीय है कि श्री शुभम लॉजिस्टिक और ऑरिगो द्वारा किए गए शर्तों के उल्लंघन पर भंडारण निगम ने इनसे क्रमशः 206.31 करोड़ व 36.34 करोड़ रु. क्षतिपूर्ति 18 प्रतिशत जी.एस.टी. के साथ वसूलने का दावा किया हुआ है, जो कि आर्बिट्रेशन में लंबित है। वहीं दूसरी ओर दोनों कंपनियां भी भंडारण निगम से करीब 75 करोड़ रु. की मांग कर रही हैं।

जहाँगीरपुरी में ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तरफ से फायरिंग शुरू कर दी गई। दोनों पक्षों के विवाद में करीब 10 राउंड फायरिंग की गई। जिस व्यक्ति की मौत हुई है, उसे चार गोलियां लगी हैं। पुलिस ने इस घटना में दो लोगों को पकड़ लिया है।

घटना जहांगीरपुरी के डी-ब्लॉक की बताई जा रही है। जांच में पता लगा कि दीपक और उसका भाई कुछ अन्य साथियों के साथ 900 वाली गली पार्क के पास खड़े थे। इसी दौरान नरेंद्र और सूरज वहां आए और दोनों पार्टियों में किसी बात को लेकर बहसबाजी हुई। थोड़ी देर हुई बहसबाजी के बाद दोनों पार्टियों ने एक-दूसरे पर फायरिंग करनी शुरू कर दी। फायरिंग में एक दीपक की गर्दन पर, दोनों पैरों पर और पीठ पर गोलियां लगीं। इस दौरान नरेंद्र की पीठ पर और सूरज के पैरों में गोली लगी।

भाजपा ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाजपा में आकर राज्यसभा सांसद बनने वाले पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण की पुत्री जया अशोक चव्हाण भी शामिल हैं, जिन्हें भोकर से टिकट दिया गया है।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908